CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संगीत राग दर्शन

भाग-2

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

न्थालय
वाराणसी-५
14

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ8214
आम्नाय-ग्रन्थालय,
वत्सनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

संगीत राग-दर्शन

भाग २

शास्त्रीय विभाग

संगीत पद्धति

भारतवर्ष में स्थूल मान से दो संगीत पद्धति प्रचलित हैं। उत्तर भारत में एक और दक्षिण भारत यानी मद्रास प्रांत या कर्नाटक में एक। मद्रास अथवा कर्नाटक प्रांत में जो संगीत पद्धति चलती है उसको "कर्नाटक पद्धति" कहते हैं और तद्व्यतिरिक्त भारतवर्ष में जो पद्धति चलती है उसको "हिंदुस्थानी पद्धति कहते हैं।

मेल अथवा थाट

प्रचार में जितने राग गाये बजाये जाते हैं, उन सब का वर्गीकरण भिन्न भिन्न स्वर पंक्तियों में हुआ है। उसको मेल या थाट कहते हैं, "मेल स्वर समूह स्यात" ऐसी मेल शब्द की व्याख्या है।

राग-पद्धति

हिंदुस्थानी संगीत पद्धति में जो राग गाये जाते हैं उसमें मुख्यत: दो प्रकार विशेष रूप से माने जाते हैं। रात के बारह

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बजे से दिन के बारह बजे तक जो राग गाये जाते हैं, उनको उत्तर राग अथवा उत्तरांग के राग कहते है, और दिन के बारह बजे से लेकर रात के बारह बजे तक जो राग गाये जाते हैं उनको पूर्व राग अथवा पूर्वांग राग कहते हैं। दिन रात के जैसे ये दो भाग किये है वैसे ही सप्त स्वर के भी पूर्व और उत्तर ऐसे दो भाग या अंग माने जाते हैं। "सा रे ग म प" यह पूर्वाङ्ग और 'म प ध नि सा' यह उत्तरांग है। पूर्वांग राग और उत्तरांग राग में यह एक नियम विशेष रूप से नज़र आता है कि पूर्वांग राग में वादी स्वर, सप्तक के पूर्व अंग में से होता है। वैसे ही उत्तरांग राग में वादी स्वर सप्तक के उत्तरांग में से हो रहता है। इसी नियम पर से राग पूर्वांग का है या उत्तरांग का है यह पहिचान सकते है। क्वचित् किसी राग में यह नियम नहीं नज़र आता वरना यह नियम सर्वत्र देखने में आता है।

रागों के जैसे पूर्वांग राग और उत्तरांग राग ये दो भेद हैं, वैसे ही एक और तीसरा भेद है, वह "संधिप्रकाश" राग है। दिन रात के चौबीस घंटे में संधिप्रकाश की वेला दो समय आती है। एक सूर्यास्त की वेला और दूसरी सूर्योदय की वेला। इन दोनों समय में रात और दिन की संधि होती है, इसलिये उस समय को "संधिप्रकाश" का समय कहते हैं। और उस समय जो गाने के राग है उन रागों को "संधिप्रकाश" राग कहते हैं।

हिंदुस्तानी संगीत पद्धति में स्थूल रूप से रागों के तीन भेद देखने में आते हैं।

पहिला—जिसमें रिषभ और धैवत शुद्ध रहते हैं।

दूसरा—जिसमें रिषभ, धैवत कोमल रहते हैं।

तीसरा—जिसमें गंधार और निषाद कोमल रहते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इन तीन प्रकार में से दूसरे प्रकार में संधिप्रकाश रागों का समावेश होता है।

ग्रह अंश और न्यास के स्वर

प्राचीन काल में गायक लोग अपने गायन में इन तीनों स्वरों को बहुत मानते थे। राग में जो अलाप लेते थे उनका प्रारम्भ जिस स्वर से करना होता है उसको "ग्रह" स्वर कहते हैं। राग में जिस स्वर का बहुत प्रयोग किया जाता है उसको "अंश" या वादी स्वर कहते हैं और राग में अलाप या तानों में जिस स्वर पर विराम किया जाता है उसको न्यास का स्वर कहते हैं। आजकल इन नियमों का किंचित पालन किया जाता है।

वक्र स्वर

किसी किसी राग में आरोह अवरोह सीधा नहीं होता है। अर्थात् जिस स्वर से, आरोह अवरोह का सीधा क्रम कुछ ऊपर या नीचे बदला हुआ प्रतीत होता है उस स्वर को वक्र स्वर कहते है। जैसे सा नी ध प म ग म रे इसमें ग स्वर वक्र है अथवा सा, ग रे ग प इसमें ग वक्र स्वर है।

अलाप तान और बोल तान

कुशल गायक के गाने में यह तीनों प्रकार क्रम से आते हैं। गीत को शुरू करने के पहिले गायक जो राग गाना चाहता है उसी के आलाप पहिले शुरू करता है। यह एक बहुत ही मधुर प्रकार है। अलाप में भी स्थाई, अंतरा, आभोग संचारी यह चारों अंग होते हैं, प्रथम छोटे छोटे स्वर समुदाय से गायक शुरुवात करते हैं और धीरे धीरे एक एक स्वर को

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बढ़ाते बढ़ाते मन्द्र और मध्य सप्तक में विस्तार करते हैं और श्रोतृ समुदाय के मन पर, जो राग गाते हैं उसका स्पष्ट रूप से असर कराते हैं। बाद धीरे धीरे मध्य सप्तक के गंधार मध्यम, जो उस राग के नियमानुसार जरूरी होते है, वहां से शुरू करके तार सप्तक में गंधार मध्यम तक अलाप करके, राग का विस्तार करते हैं। इसी प्रकार आभोग और संचारी प्रकार करके दिखलाते हैं। अलाप में गायक की कुशलता खूब नजर आती है क्यों कि अलाप के साथ ताल नहीं होता और अर्थोत्पादक शब्द भी नहीं होते हैं। कोई कोई गायक अलाप में "तानन रिदन तूंनन" आदि शब्द प्रयोग करते हैं, उसमें कोई अर्थ नहीं रहता और ताल भी नहीं होता तिस पर भी अलाप मनो-रंजक होना यह गायक के कुशलता पर निर्भर होता है। कभी कभी मुख्य राग के अलाप चलते हैं उस समय मुख्य राग के समीप रहने वाले या तद्सदृश रागों का भास श्रोतृ समुदाय में होना संभवनीय है। उसको बचा के मुख्य राग का स्वरूप कायम रखना, यह कुशल गायक ही करते हैं। अलाप में स्वर कभी कभी बहुत धीरे चलते हैं, कभी दो तीन स्वर जलद लेके फिर स्वर को खूब लंबा करते हैं। कभी भिन्न भिन्न स्वर समुदाय की रचना करते हैं वे एक विशिष्ट स्वर पर रुक जाते हैं और यह सब करते हुये मुख्य राग के स्वरूप को कायम रखते हैं। इन सब क्रियाओं को सुनने में बड़ा ही आनंद आता है। आलाप समाप्त करके फिर गान शुरू करते हैं।

तान

तान यह प्रकार भी बड़ा सुंदर है और यह गान वैचित्र्य बढ़ाने के काम में आता है, अलाप में जैसे स्वर बहुत धीमे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चलते हैं और लंबे रहते हैं वैसे इसमें नहीं रहते। इसमें स्वर समुदाय जलद गति से चलते हैं। अलाप में स्वर अनियमित गति से यानी कभी जल्दी कभी धीरे रहते हैं वैसे तान में नहीं होता। इसमें स्वर समुदाय एक गति से चलते हैं, यही अलाप और तान में फ़रक रहता है। गायक प्रथम छोटे छोटे तान के टुकड़े लेता है फिर धीरे धीरे लंबी ताने बढ़ाता है। इसमें भी सीधी ताने वक्र ताने ऐसे कई प्रकार होते हैं। राग और गीत की शोभा वढ़ाने लायक ताने लेने से गायन की सुंदरता बढ़ती है। ज्यादातर इनका प्रयोग ख्याल गायन में होता है। बराबरी की तान लेना भी एक सुंदर प्रकार होता है, यानी गीत की जो लय होगी उसी लय में तान लेना। यह प्रकार थोड़ा कठिन भी है। तान तय्यार करने के लिये कई प्रकार के स्वर के अलंकारों को तैय्यार करना ज़रूरी होता है।

बोलतान

गायन में अलाप और तान के सिवाय बोल तान का भी एक प्रकार होता है। यह तो बहुत ही श्रवण मधुर होता है। जैसे अलाप में आकार से काम लेते हैं वैसे इसमें गीत के शब्द ही अलग अलग स्वर रचना में गाये जाते हैं और इसमें लय का भी सुंदरता से प्रयोग करते हैं। सुंदर बोल तान लेने में गायक के बुद्धिमानी का परिचय होता है। शब्दों को ठीक रीति से तोड़ना, सुंदर स्वर रचना और लय में बांटना, यह बिना कल्पकता के नहीं होता। बोल तान में लय का बड़ा आनन्द रहता है गायक कभी कभी जो लय, तबला या पखवाज में बजती रहती है उसके बिलकुल विरुद्ध रीति से चलता है और

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बहुत ही सुंदरता से सम पर आता है। यह सब सुनने में बड़ा ही आनंद मिलता है।

पकड़

गायन सुनते समय तुरंत ही राग पहिचानना एक आनंद का विषय रहता है। हर एक राग में एक विशेष स्वर समुदाय होता है कि जिस पर से राग की पहिचान होती है। ऐसे स्वर समुदाय को "पकड़" कहते हैं। इस पकड़को समझ कर गायन सुनने में एक विशेष प्रकार का आनंद मिलता है, इसलिये हर एक राग की पकड़ जान लेना विद्यार्थियों के लिये जरूरी है।

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, [illegible]
वाराणसी-5

गीत विभाग

१ राग दुर्गा

यह राग रात के दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में गंधार और निषाद वर्जित है। बाकी के सब स्वर शुद्ध लगते हैं। इसकी जाति औडव है। इस राग में वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर रिषभ है। कोई कोई इसमें रिषभ-धैवत या मध्यम-षडज वादी संवादी मानते हैं।

आरोह—सा रे म प ध सां।

अवरोह—सां ध प म रे सा ।।

पकड—म प ध, म रे, सा रे, धं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, सा रे, धं सा, सा रे म, म रे, सा रे म रे, सा रे, धं सा ।

(२) सा रे म रे, रे म प, म प ध, म रे, ध, म रे, सा रे म प ध, म रे, रे म प, म रे, सा रे म रे, रे, धं सा ।

(३) सा रे म प ध, म प, रे म प ध म प ध, ध, म रे, प ध, म रे, म रे, प म, ध, म रे, प, रे म, सा रे, धं सा ।

(४) सा, रे म प ध म प ध, ध, म प, म प ध, सा̍ ध, ध, म रे, प ध म रे, म प ध सा̍, ध, म रे, सा रे म प ध सा̍, ध प, म रे, म रे, प, म ध, प ध सा̍, ध, म प ध प म, रे, सा रे, धंसा ।

(५) सा, धं, धं, मं पं, मं पं धं, धं सा, धं सा रे, रे, धं सा, धं सा रे म, रे, रे म प, म ध, म रे, सा̍ ध म रे, म रे, ध म रे, प, रे म, सा रे, धं सा ।

(६) सा रे म प ध सा̍, ध सा̍, सा̍ ध, म प ध सा̍, ध, ध सा̍ रे̍, रे̍ ध सा̍, ध सा̍ रे̍ सा̍ ध, ध, प ध प म रे म प ध, म प, म प

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धृ, प धृ सां, धृ सां रें, धृ सां, सां धृ, प, म प धृ, म रे, रें, सां धृ, म रे, म रे सा रे, धं सा।

(७) म प धृ सां प धृ सां, सां, धृ सां रें, रें धृ सां, सां रें मं, रें, रें मं पं, मं रें, मं रें, रें, रें, धृ सां, सां, धृ प म प धृ सां, सां धृ, म प धृ, म रे, मं रें, म रे, सा रे म प धृ सां, धृ प म रे, सा रे धं सा।

(१) सा रे म रे सा, सा रे म प म रे सा, सा रे म प धृ प म रे सा, सा रे म प धृ सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ सां रें सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ सां रें मं रें सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ सां रें मं पं मं रें सां धृ प म रे सा।

(२) सा रे म प रे म प म रे सा, सा रे म प रे म प धृ प म रे सा, सा रे म प धृ प म प धृ सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ प म प धृ सां रें सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ प म प धृ सां रें मं रें सां धृ प म रे सा, सा रे म प धृ प म प धृ सां रें मं पं मं रें सां धृ प म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(३) सा ध प म रे सा, सा रे सा ध प म रे सा, सा रे म रे
सा ध प म रे सा, सा रे म प म रे सा ध प म रे सा,
प – म रे सा ध प म रे सा, म-रे सा ध प म रे सा, रे–
सा ध प म रे सा, सा—ध प म रे सा।

(४) धं सा रे म रे सा रे म प ध प म प ध सा सा ध प म म रे
सा, रे म प ध प म प ध सा रे सा ध सा रे म रे सा ध प
म रे सा, म प ध सा ध प ध सा रे म रे सा रे म प म
रे सा ध प म रे सा।

(५) म म रे म रे सा, प प म प म म रे सा, ध ध प ध प
म म रे सा, सा सा ध सा ध प म म रे सा, रे रे सा रे
सा सा ध प म म रे सा, म म रे म रे सां ध प म म रे
सा, प प म प म रे सा सा ध प म म रे सा।

(६) रे म म रे म म रे म म रे सा, म प प म प प म प प म रे
सा, प ध ध प ध ध प ध ध प म रे सा, ध सा सा ध सा सा
ध सा सा ध प म रे सा, सा रे रे सा रे रे सा रे रे सा ध
प म रे सा, रे म म रे म म रे म म रे सा ध प म रे सा,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म प प म प प म प प म रें सां ध प म रे सा।

(७) सा रे म प ध सां ध प म रे सा, सा रे म प ध म प ध सां रें सां ध प म रे सा, सां रें मं रें सां ध प म रे सा, धं सा रे म रे सा रे म प ध प म प ध सां रें सां ध सां रें मं पं मं रें सां ध प म रे सा, म म रे म रे सा प प म प प म प प म रे सा, ध ध प ध प म रे सा सां सां ध सां सां ध सां सां ध प म रे सा, रें रें सां रें सां ध प म म रे सा, मं मं रें मं मं रें मं मं रें सां ध प म म रे सा, सा रे म प ध रे म प ध सां म प ध सां रें ध सां रें मं पं मं रें सां ध प म म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग दुर्गा—झपताल

स्थायी

ध	ऽ	म	रे	सा	सा	रे	धं	सा	सा
१		३			+		८		

सा	धं	सा	रे	म	प	ऽ	म	ध	ध
१		३			+		८		

म	प	ध	म	प	सा̍	ऽ	ध	ध	म
१		३			+		८		

म	प	ध	सा̍	ध	म	रे	धं	सा	सा
१		३			+		८		

अन्तरा

म	प	ध	ध	ध	सा̍	ऽ	ध	सा̍	सा̍
१		३			+		८		

ध	सा̍	रे̍	म̍	रे̍	सा̍	ऽ	ध	ध	म
२		३			+		८		

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म	प	ध	सां	सां	ध	सां	ध	ऽ	म
१		३			+		८		

सां	सां	ध	ध	म	रे	रे	धं	सा	सा
१		३			+		८		

—०—

राग दुर्गा—एकताल (द्रुतलय)

राग लक्षण

जय दुर्गे शुभ रागिनी, तोहि गावत मध यामिनी ।
सुध सुर मेल प्रकाशिनी, औडव अगनि सरूपिनी ॥
धैवत अंश सुहावनी, री संवाद करावनी ।
रि-प सुर संगत धारिनी, सा ध म रे सा रे ध सा ॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

		प				सा						
प ध		म	रे	रे सा		धं सा		सा सा		रे	प	प
जय		दु	र्गे	शुभ		रा ·		गि नी		तो	हि	गा
१		+	३	+		५		६		१		+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प सां सां
प म प ध म रे रे | म म प ध ध सां सां सां ध
व त म ध या मि नी | सु ध सु र मे · ल प्र का
३ + ५ ६ १ + ३ + ५

सां सा
म म | ध सां ध ध म प म म रे सा ध सा
शि नी | औं · ड व अ · ग · नि सि रू ·
६ १ + ३ + ५

सा सा ||
पि नी ||
६

अन्तरा

सां
म प ध ध सां सां सां रें ध सां सां | सां रें
धै व त अं · श सु हा · व नी | रि ·
१ + ३ + ५ ६ १

मं मं रें सां ध प म प ध प म रे | रे प प प
सं · वा · द क रा · · · व नी | रि प सु र
+ ३ + ५ ६ १ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प मप मप ध ध ध | सा ध ऽम रे सा रे
सं गत धा · · रि नी | सा ध ·म रे सा रे
३ + ५ ६ १ + ३ +

ऽधं सा ||
· ध सा ||
५ ६

—:o:—

राग दुर्गा—विलंबित तीनताल (ख्याल)

कान्ह बतिया करो मोसन प्यारे, तुम्हरे बिन नाहीं परत चैन ॥
कासे कहूँ मनकी कोउ न जाने, चतुर सुजान पिया तुम बिन ॥

व्यास कृती

स्थायी

ध मप धसा रे सा | ध ऽम मपऽरे रे म प ध
का · न्ह ब · ति · | या · क रो · · · मो · · ·
१ ५

म प ध ऽम रे सा रे सा रे ऽधं सा सा सा
· · · · स न प्या · · · · रे · तु म्ह
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे म प ध म प ध ऽ म प ध | सां ध
रे · · · · · · · · बि न | ना ·
१३ १

सां ऽ सां सां रे ऽ सां रे सां सां ध प म म रे
· · ही · · · प · र · त · · · ·
५ +

रे म प ध म रे रे धं सा ||
चै · · · · · · न · ||
१३

अन्तरा

ध प ध ध म प ध | सां ध सां ऽ ऽ ध सां
का से क · हूँ म न | की · · · · को ·
१ ५

रे सां रे ऽ सां रे सां सां ऽ ध ऽ म प ऽ ध सां
उ न जा · · · · · · · · ने · · च तु
+ १३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे म	रे	ऽ	सां	ऽ	ध	सां	रें	सां	ध	म	रे	रे	म
र सु	जा	·	न	·	पि	·	·	·	या	·	·	तु	म
	१				५							+	

प	ध	म रे	ऽ धं	सा	ऽ
·	·	त्रि ·	· न	·	·
				१३	

—:o:—

राग दुर्गा—झपताल

जयति श्री राधिके, सकल सुख साधिके।
तरुण मणी नित्त नव, तनु किशोरी॥
कृष्ण तनु लीन घन रूप की चातकी।
कृष्ण मुख हिम करन की चकोरी॥

स्थायी

ध	म (प)	ध म	प	ऽ	म प	ध	प ध	सां	ध	सां	ध	प	म
ज	य	ति ·	·	·	श्री ·	·	रा ·	·	धि	·	·	·	के
१		३					+						८
	२												

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म प
रे रे सा | रे म प ध प रे म रे म प म रे सा
ऽ ऽ ऽ | स क ल सु ख सा ऽ ऽ ऽ ऽ धि के
१ ३ + ८

म
ऽ | धं धं सा म रे रे म प ध ध | म रे सां
ऽ | त रु ण म णी नि ऽ त्त न व | त नु कि
१ ३ + ८ १ ३

ध म प ध सां रें सां ध ऽ प म रे ऽ सा ||
शो री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ||
+ ८

अन्तरा

सां सां
म ऽ म ध ध ध सां सां सां सां | ध ऽ ध
कृ ऽ ष्ण त नु ली ऽ न ध न | रू ऽ प
१ ३ + ८ १ ३

सां रें सां रें सां रें मं रें सां ध | प ऽ प म
की ऽ चा ऽ ऽ ऽ ऽ त की ऽ | कृ ऽ ष्ण ऽ
+ ८ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

								सा		म			सां
ध	ध सां	ध प	म	रे	सा	धं	सा	|	रे	म	प	ध
मु	ख	· · ·	हि	म	क	र	न	|	की	·	च	क्रो
			+		८				१		२	

सां	सां रें मं	रें सां	ध प	म रे	ऽ सा	‖
·	री · ·	· ·	· ·	· ·	· ·	‖
	+		८			

—+—

राग दुर्गा—तीनताल

शोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरन चलत रेणु तनु मण्डित मुख दधि लेप किये॥
चारु कपोल लोल लोचन गोरोचन तिलक दिये।
लट लटकन मनु मत्त मधुप गन मादक मधुहि पिये॥
कठुला कण्ठ वज्र केहरि नख राजत रुचिर हिये।
धन्य सूर एको पल यह सुख का शत कल्प जिये॥

स्थायी

															म			
म	प	ध	सां	ध	प	म	प	मं	म	रे	सा	|	रे	म	रे
शो	·	·	·	भि	त	क	·	र	·	न	व	|	नी	त	लि
+						७							१		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प मंप ऽ मप धधप मम रेरे | मरे रे सा
ये . . . घुङ्ग रन . चल तरे | . णु त नु
३ + ० १

धं सा सा सा रे प प प ध म प ध | म प ध
मं . डि त मु ख द धि ले . प क्ति | ये . .
३ + ० १

प ध सां ध सां रें सां ध प म प ||
. . . .
३

अन्तरा

म प ध ध सां सां सां | ऽ सां ध सां सां सां
चा रु क पो . ल लो | . ल लो च न गो
+ ० १ ३

रें मं रें सां ध प म रे | रे प ऽ म प ऽ प प ध ध
रो . च न ति ल क दि | ये . . . . . ल ट ल ट
+ ० १ ३ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म म	रे सा	रे सा सा	धं धं	सा सा	रे प	प प
क न	म नु	म त्त म	धु प	ग न	मा ·	द क
७		१	३		+	

ध म	प ध	म प ध	प ध सां	ध सां	रें सां
म धु	हि पि	ये · ·	· · ·	· ·	· ·
७		१		३	

ध प म प
· · · ·

—०—

राग दुर्गा—तीनताल (तराना)

तन देरे ना देरे देरे तदानि तद्रे दानि तन उदतन तदानि
तद्रे दानि दीम् तदानि ।।
उदतन देरेना दीम तन देरेना तद्रे दानि तंनतदानि
दीम तार दा नि ।।

स्थायी

प म	प ध	ध म	म रे	सा सा	(म) रे	प	प	प ध
त न	दे रे	ना दे	रे दे	रे त	दा	·	नी	त द्रे
	+		७		१		३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प

धम मम रेम | रेसा रेधं सासा सासा रेम

दानीत नउद | तन तदा ·नि तद्रे दा·

\+ ७ १ ३ +

रेम पम पध | प धसां रें सांध मम ||

·नी ··दी· | म् त ·· ··दा ·नि ||

७ १ ३

अन्तरा

मम पध सांध सां | सांरें मम रेंरें सां पप

उद तन देरे ना | दीं· तन देरे ना तद्रे

\+ ७ १ ३ +

ध

म रेंसां सांरें | सांधम रें ऽ मं रें ऽमं | रें

दानित नत | दानिदी· · ता · · दा | ·

७ १ ३ + ७ १

म

रे प ||

नी · ||

३

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Trimbak. Shastri

२—राग सारंग

यह राग मध्यान्ह काल को अर्थात दो पहर को गाया जाता है। इस राग में गंधार और धैवत वर्जित है। इसमें दोनों निषाद लगते हैं। आरोह में शुद्ध निषाद और अवरोह में कोमल निषाद लगता है। यह राग औडव जाति का है। इसमें वादी स्वर रिषभ और संवादी स्वर पंचम।

आरोह—निं सा रे म प नि सां।

अवरोह—सां नि् प म रे सा॥

पकड़—निं सा रे, म रे, प म नि् प, म रे, निं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, निं सा, निं सा रे, रे, म रे, सा रे म रे, निं सा।

(२) सा, निं सा रे, रे, सा रे म, रे, रे म प, म रे, रे म, रे, सा, निं पं, मं पं निं, सा।

(३) निं सा रे म, रे, रे म प, प, म रे, म प नि् प, म रे, रे म प नि् प, म रे, नि् प म रे, प, म रे, म रे, सा रे, निं सा।

(४) निं सा रे म प, प म नि् प, प म रे, रे म प नि् म प म नि् प, म रे, रे, सा रे म, रे म प, म प नि्, प म रे, निं सा रे म प, म रे, म रे, निं सा।

(५) निं सा रे म प नि् प, नि् प, म प सां, नि् प, म प नि सां, नि् प, सां, नि् प, नि्, प म रे, रे म प नि् प म प नि सां, नि्, प, म प, म नि् प, नि्, प नि् प म रे, म रे, प म, नि् प, सां, नि् प, म रे, रे म प, म रे, निं सा।

(६) म प नि, सां, सां नि्, मं प नि सा, सां, नि सां रें, रें,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि सां, सां रें नि सां, नि़ प, म प नि सां रें, सां रें,
नि सां, नि़ प, म प नि सां रें नि सां, नि़ प, म प सां,
नि़ प, प, म नि़ प म रे, निं सा रे म प नि़ प म प नि
सां, नि़, प म रें, प, म रे, निं सा।

(७) म प नि, सां, सां, नि सां रें, रें, सां, सां रें मं, रें, पं,
मं रें, नि सां, सां रें नि सां, नि़ प, म प नि सां रें नि सां
रें नि सां, नि़ प, सां, नि़ प, नि नि़ प म रे, सा रे म प
नि़ म प नि सां रें मं, रें प, मं रें, सां, नि़ प, म रे,
निं सा।

तानें

(१) निं सा रे म रे सा, निं सा रे म प म रे सा, निं सा रे म
प नि़ प म रे सा, निं सा रे म प नि सां नि़ प म रे सा,
निं सा रे म प नि सां रें सां नि़ प म रे सा, निं सा रे म प
नि सा रें मं रें सां नि़ प म रे सा, निं सा रे म प नि सां रें
मं पं मं रें सां नि़ प म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) निं सा रे म रे म प म रे सा, निं सा रे म रे म प नि् प म
रे सा, निं सा रे म प नि् म प नि सा॑ नि् प म रे सा, निं सा
रे म प नि् म प नि सा॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा, निं सा रे
म प नि् म प नि सा॑ रे॑ म॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा, निं सा रे
म प नि् म प नि सा॑ रे॑ म॑ प॑ म॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा।

(३) सा॑ नि् प म रे सा, सा॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा, सा॑ रे॑ म॑ रे॑
सा॑ नि् प म रे सा, सा॑ रे॑ म॑ प॑ म॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा,
प॑–म॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा, म॑–रे॑ सा॑ नि् प म रे सा,
रे॑–सा॑ नि् प म रे सा, सा॑–नि् प म रे सा।

(४) निं सा रे म रे सा रे म प नि् प म प नि सा॑ नि् प म रे सा,
रे म प नि् प म प नि सा॑ रे॑ सा॑ नि सा॑ रे॑ म॑ रे॑ सा॑ नि् प
म रे सा, म प नि सा॑ नि् प नि सा॑ रे॑ म॑ रे॑ सा॑ रे॑ म॑ प॑ म
रे॑ सा॑ नि् प म रे सा।

(५) म म रे म रे सा, प प म प म रे सा, नि् नि् प नि् प म
रे सा, सा॑ सा॑ नि सा॑ नि् प म रे सा, रे॑ रे॑ सा॑ रे॑ सा॑ नि् प म
रे सा, म॑ म॑ रे॑ म॑ रे॑ सा॑ नि् प म रे सा, प॑ प॑ म॑ प॑ म॑ रे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा नि् प म रे सा।

(६) रें म म रे म म रे म म रे सा, म प प म प प म प प म रें सा, प नि् नि् प नि् नि् प नि् नि् प म रे सा, नि सा सा नि सा सा नि सा सा नि् प म रे सा, सा रे रें सा रे रें सा रे रें सा नि् प म रें सा, रें म म रे म म रे म म रे सा नि् प म रे सा, म प प म प प म प प म रें सा नि् प म रे सा।

(७) निं सा रें म प नि सा नि् प म रें सा, निं सा रें म प नि सा रें सा नि् प म रे सा, सा रें म रें सा नि् प म रें सा, निं सा रे म रे सा रे म प नि् प म प नि सा रे सा नि सा रे म प म रें सा नि् प म रे सा, म म रे म रे सा, प प म प प म प प म रे सा, नि् नि् प नि् प म रे सा, सा सा नि सा सा नि सा सा नि् प म रे सा, रे रें सा रे सा नि् प म रे सा, म म रें म म रें म म रे सा नि् प म रे सा, निं सा रें म प रे म प नि सा म प नि सा रें नि सा रें म प म रें सा नि् प म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग—तीनताल

स्थायी

रे म प नि॒ प म रे सा | रे सा ऽ रे सा
\+ ७ १ ३

नि॑ नि॑ नि॑ सा ऽ सा नि॑ सा | रे म प नि॒ प म प
\+ ७ १ ३

नि नि नि नि सां सां सां | नि सां रें सां नि॒ नि॒ प म
\+ ७ १ ३

प सां नि सां ऽ सां प नि॒ | प नि॒ ऽ नि॒ प म रे सा
\+ ७ १ ३

अन्तरा

म म ऽ म प प नि॒ प | नि सां ऽ सां नि सां सां
\+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि नि नि नि सां नि सां | रें मं रें सां नि नि प म
\+ ७ १ ३

प सां नि सां सां प नि | प नि नि प म रे सा |
\+ ७ १ ३

—+—

राग सारंग—एकताल (द्रुतलय)

राग लक्षण

धन धन धुन सारंग, औडव रूप वरजित ध-ग ।
गावत हरि वृन्दावन, संग मुरली अति सुहाग ॥
आरोहन सुध नी लसत, सोही मृदु अवरोही रहत ।
प-रि सुर संवाद करत, नीपमरे संगत सोहत ॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

म
म रे | प म | नि प | रे म | प म रे | ऽ सा | निं
ध न | ध न | धु न | सा ॰ | ॰ ॰ रं | ॰ ग | औ
१ + ३ + ५ ६ १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

सा

सा सा रे म रे सा निं सा रे सा निं पं | निं सा
ऽ व रु · प · व र जित ध ग | गा ·
+ ३ + ५ ६ १

रे म प नि प नि प म रे सा सा | सां सां प नि प
व त ह रि वृ · · · न्दा व न | सं ग मु र ली
+ ३ + ५ ६ १ + ३

रे म प म रे ऽ सा ||
अ ति सु · हा · ग ||
+ ५ ६

अन्तरा

म प नि नि नि नि सां नि सां सां सां | नि सां
आ रो . ह न सु ध नी ल स त | सो ही
१ + ३ + ५ ६ १

रें मं रें सां नि सां रें सां नि प प | प रें सां रें
मृ दु अ व रो · · · ही र ह त | प रि सु र
+ ३ + ५ ६ १ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि सां नि सां रें सां प नि प | नि प म रे रे म
सं · वा · · द क र त | नी प म रे सं ·
३ + ५ ६ १ + ३

प नि प म रे सा सा ||
ग · त · सो ह त ||
+ ५ ६

राग सारंग धमार ताल

माया मोहनी मन हरनी ।
चपल चाल विशाल लोचन, सबल सारङ्ग धरन । माया०
काम बाण विलोकि मारे, योगिया वश करन ।। माया०

स्थायी

रे म प नि प | सां ऽ नि प ऽ नि प म रे
मा · या · · | मो · ह नी · म न · ह
११ + १ + ६ +

रे सा ||
र नी ||

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म म म प ऽ प प नि़ ऽ प म प प प | म म
च प ल चा · ल वि शा · ल लो · च न | स ब
१ + ६ + ११ + १

म रे म प़ नि़ प़ म़ रे रे सा रे म प ऽ | म ऽ
ल सा · रं · ग · ध र न मा · या · | का ·
+ ६ + ११ + १

प नि ऽ नि नि सां ऽ सां नि सां सां ऽ | मं ऽ रें सां
म वा · ण वि लो · कि मा · रे · | यो · गि या
+ ६ + ११ + १ +

ऽ नि़ प़ म़ रे रे सा ||
· व श · क र न ||
६ +

राग सारंग—त्रि० तीन ताल (ख्याल)

बौरे जिन अल्ला कोऊ ना जानिये करना था सो कर चुका
और जी चाहे सो करे। अन्तरा। अदारङ्ग साची कहत है अत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कामन की करीम रीझे झर काहू कीं मन का मति कर सोही देत भरे ॥

स्थायी

म प सां नि़ ऽ ऽ प म रे नि सा | रे म ऽ ऽ प
वौ · रे · · ·जि · न अ · | छा · · · को
१३ १

नि़ प ऽ नि नि सां ऽ ऽ नि़ प रे ऽ रे रे | सा
· · · ऊ ना · · · जा नि ये ·क र | ना
५ + १३ १

नि
ऽ सा सा रे ऽ ऽ प म प रे ऽ नि सा ऽ ऽ म
· · था सो · ·क र चु का · · · · ·औ
५ + १३

म प ऽ | नि सां ऽ नि सां रें मं ऽ रें सां ऽ सां नि
जी · | चा · · हे · · · · सो · · क ·
१ ५
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे।
सा नि म प ऽ ||
रे · · · · ||
+

अन्तरा

नि सां ऽ नि ऽ प प | रे रे सा रे सा म रे म
अ दा · रं · ग सा | ची क ह त है अ त का
१३ १ ५

प म प सा नि ऽ नि नि म प नि नि सां रें सां
म न की क री · म री · झे झ र का हू की
+ १३

प म प म रे रे निं सा ऽ नि सां रें मं रें सां सां
म न का · म ति क र · सो ही दे · · त भ
१ ५ +

रे।
सा नि ऽ म प ||
रे · · · · ||

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग—झपताल

मधु मद न करो मन करो, प्रभु से तुम ।
साँची कहिये कौन निभावे ॥
जब कोकिला कूँक ऊठी चहुँ ओर ।
शीतल मंद समीर भावे ॥

स्थायी

नि	नि	सां	सां	सां	नि्	प	म	प	ऽ	म	रे	ऽ	|
म	धु	म	द	न	म	न	·	क	·	·	रो	·	|
१		३			+			८					

रे	म	रे	म	प	नि्	म	प	ऽ	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ऽ	|
प्र	भु	से	·	·	·	·	·	·	·	तु	·	म	·	·	|
१		३								+		८			

म	ऽ	म	ऽ	म	प	ऽ	नि्	प	ऽ	|	म	प
सा	·	ची	·	क	ही	·	ये	·	·	|	कौ	·
१		३			+		८				१	

नि	सां	रें	सां	ऽ	नि्	प	नि	सां	|
न	·	नि	भा	·	·	वे	·	·	|
३			+			८			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	म	प	नि़	प़	नि	सां	ऽ	नि	सां	सां	|	नि	सां
ज	ब	को	•	•	कि	ला	•	कू	•	क	|	कु	•
१		३				+		८				१	

सां	ऽ	रें	सां	ऽ	प	नि़	प	|	रें	ऽ	रें	ऽ
ठी	•	च	हुँ	•	ओ	•	र	|	शी	•	त	•
३			+		८				१		३	

प	रें	ऽ	नि	सां	सां	|	म	प	नि	सां	रें	सां	ऽ	नि़
ल	मं	•	•	•	द	|	स	•	मी	•	र	भा	•	•
	+	८					१		३			+		

प	नि	सां	||
वे	•	•	||
८			

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग सारंग एकताल (द्रुत)

मैं न जाउं हरि पास, री सजनी ॥
श्याम रच्यो अब और तियन संग हम सों भये उदास ॥

स्थायी

प नि सां रें	सां नि प	नि प म	रे सा	रे	सा
मैं • • •	न जा •	• उं •	ह रि	पा	स
१	+	३	+	५	६

म	म रे	प म	नि प	सां नि	सां प
री	स ज	नी •	नी •	• •	• •
१	+	३	+	५	६

अन्तरा

म	म	म	प नि प	नि नि	सां	ऽ सां
श्या	म	र	च्यो • •	अ ब	औ	• र
१	+		३	+	५	६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मं मं रें सां ऽसां नि् सां नि् नि् ऽ प म प
ति य न सं ·ग ह · · · · म · सों
१ + ३ + ५ ६

म प नि सां रें रें सां रें रें सां नि प नि सां रें
भ · ये · · · उ दा · · · · · · ·
१ + ३ +

सां नि प म रें सा नि सा
स · · · · · · ·
५ ६

राग सारङ्ग—तीन ताल

बनहि बन श्याम चरावत गैया।
सुभग अंग सुखमा को सागर। कर बिच लकुट धरैया॥
पीत बसन दमकत दामिनि सम, मुरली अधर बजैया।
धावत इत उत दाऊ के संग, खेल करत लरकैया॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

नि
म रे म प नि् म प सां नि् प म रें निं सा
व न हि ब · न · श्या म च · रा व त
३ + ७

निं
रें सां ऽ सां निं निं निं निं सा सा निं सा
गै या · · सु भ ग अं · ग सु ख
१ ३ + ७

रे म प नि् म प रें निं सा म प नि नि नि सां
मा· को · · · सा ग र क र वि च ल कु
१ ३ + ७

सां सां | सां रें सां नि प ||
ट ध | रै · · · या ||
१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	म	म	प	प	नि	नि	| सां	सां	सां	नि	सां
पी	त	व	स	न	द	म	| क	त	दा	मि	नि
+			७				| १			३	

सां	सां	नि	नि	नि	सां	सां	सां	सां	| सां	रें	नि	सां
स	म	मु	र	ली	अ	ध	र	व	| जै	·	·	·
		+			७				| १			

ऽ	प	नि	म	प	म	प	नि	सां	रें	मं	रें	सां	| नि	सां
·	या	·	·	·	धा	·	व	त	इ	त	उ	त	| दा	ऊ
	३				+				७				| १	

नि	सां	रें	सां	नि	प	ऽ	रें	सां	रें	नि	सां	नि	प	|
के	·	·	·	सं	ग	·	खे	ल	क	र	त	ल	र	|
३						+				७				

प	नि	सां	नि	प	||
कै	·	·	·	या	||
१					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३ राग देश

यह राग रात के दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में दो निषाद लगते है। आरोह में शुद्ध निषाद और अवरोह में कोमल निषाद लिया जाता हैं। आरोह में गन्धार और धैवत स्वर वर्जित है। इस लिये इस राग की जाति औडव संपूर्ण मानी जाती है। इसमें वादी स्वर पंचम है और संवादी स्वर रिषभ है। गन्धार और धैवत का अल्प प्रयोग आरोह में कभी कभी किया जाता है।

आरोह—निं सा रे म प नि सां।

अवरोह—सां नि॒ ध प म ग रे, ग निं सा।

पकड—ध, म, ग रे, ग निं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, निं सा, निं सा रे म ग रे, रे म ग रे, म, ग रे, ग,
निं सा।

(२) निं सा रे म, ग रे, म प, म प ध, म, ग रे, रे प, म ग रे,
सा रे म, ग रे, निं सा रे, नि॒ धं पं, निं सा।

(३) निं सा रे म प, म प नि॒ ध प, नि॒ ध प, रे म प नि॒ ध प,
प ध म ग रे, रे ग रे प, म ग रे, रे म, ग रे, ग नि सा।

(४) सा रे म प नि॒ ध प, म प नि सा नि॒ ध प, म प नि॒ ध प,
म प ध म ग रे, रें म प ध म ग रे, नि॒ ध प, म प ध म
ग रे, प, म ग रे, म, ग रे, ग निं सा।

(५) म रे म प नि सा, प नि सा रे, नि॒ ध प, म प सा, नि॒ ध
प, म़ प नि॒ ध प, ध, मं ग रे, रे म प निं सा, प नि॒ ध प,
ध, म प ध, म ग रे, रे प, म ग रे, रे ग सा रे म. ग रे,
ग निं सा।

(६) म प नि, सा, नि सा, सा, नि सा रे, म ग रे, नि सा रे म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गं रें, गं नि सां, नि सां, नि सां रें, नि् ध प, रे म प नि् ध प, प, म प ध, म ग रे, ग रे, प, म ग रे, रे रे म प नि् ध प, म प ध, म ग रे, ग नि़ सा।

(७) सा रे म प नि, सां, प नि सां रें, रें गं सां रें मं गं रें, रें पं, रें मं, गं रें, मं, गं रें, गं, नि सां, सां, प नि सां रें, नि् ध प, नि, सां, नि सां रें, नि् ध प, सां, नि् ध प, म प नि्, ध प, ध म प ध, म ग रे, प, रे म. ग रे ग, नि़ सा।

तानें

(१) सा रे म ग रे सा, सा रे म प म ग रे सा, नि़ सा रे म प ध प म ग रे सा, नि़ सा रे म प नि् ध प म ग रे सा, नि़ सा रे म प नि सां नि् ध प म ग रे सा, नि़ सा रे म प नि सां रें सां नि ध प म ग रे सा, नि़ सा रे म प नि सां रें मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा, नि़ सा रे म प नि सां रें मं पं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) निं सा रे ग सा रे म ग रे सा, निं सा रे म रे म प म ग रे
सा, निं सा रे म प ध म प ध प म ग रे सा, निं सा रे म
प नि् म प नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म प नि् म प नि
सा नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म प नि् म प नि सा रे
सा नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म प नि् म प नि सा रे
म ग रे सा नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म प नि् म प
नि सा रे म प म ग रे सा नि् ध प म ग रे सा।

(३) सा नि् ध प म ग रे सा, सा रे सा नि् ध प म ग रे सा,
सा रे म ग रे सा नि् ध प म ग रे सा, सा रे म प म ग रे
सा नि् ध प म ग रे सा, प—म ग रे सा नि् ध प म ग रे
सा, म—ग रे सा नि् ध प म ग रे सा, रे—सा नि् ध प म
ग रे सा, सा—नि् ध प म ग रे सा।

(४) निं सा रे म ग रे सा रे म प नि् ध म प नि सा नि् ध प म
ग रे सा, रे म प नि् ध प म प नि सा रे सा नि सा रे म
ग रे सा नि् ध प म ग रे सा, म प नि सा नि् ध प म प

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि सां रें नि सां रें मं पं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा।

(५) म म ग रे सा, प प म प म ग रे सा, नि् नि् ध नि् ध प म ग रे सा, सां सां नि सां नि् ध प म ग रे सा, रें रें सां रें सां नि् ध प म ग रे सा, मं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा, पं पं मं पं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा।

(६) रे म म रे म म रे म म रे सा, म प प म प प म प प म ग रे सा, प नि् नि् प नि् नि् प नि् नि् ध प म ग रे सा, नि सां सां नि सां सां नि सां सां नि् ध प म ग रे सा, सां रें रें सां रें रें सां रें रें सां नि् ध प म ग रे सा, रें मं मं रें मं मं रें मं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा, मं पं पं मं पं पं मं पं पं मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा।

(७) निं सा रे म प नि सां नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म प रे म प नि सां रें सां नि् ध प म ग रे सा, सां रें मं गं रें सां नि् ध प म ग रे सा, निं सा रे म ग रे सा रे म प नि् ध प म प नि सां रें नि सां रें मं पं मं गं रें सां नि् ध प म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग रे सा, म म रे म ग रे सा, प प म प प म प प म ग रे सा, नि़ नि़ प नि़ ध प म ग रे सा, सां सां नि सां सां नि सां सां नि़ ध प म ग रे सा, रें रें सां रें सां नि़ ध प म ग रे सा, मं मं रें मं मं ग रें सां नि़ ध प म ग रे सा, निं सा रे म प रे म प नि सां म प नि सां रें नि सां रें मं पं मं गं रें सां नि़ ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग देश—तीन ताल

स्थायी

रे म ऽ म प नि ऽ नि | सां ऽ रें सां नि़ ध प

\+ ७ | १ ३

म प नि़ ध प म ग रे | प म ग रे ग निं सा सा ||

\+ ७ | १ ३

अन्तरा

म म म प प नि नि | सां सां सां नि सां सां सां

\+ ७ | १ ३

नि सां रें मं गं रें नि सां | रें सां नि़ ध प म ग रे

\+ ७ | १ ३

नि़ ध नि़ प ध म प | सां नि़ ध प म ग रे सा ||

\+ ७ | १ ३

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग देश—तेवरा ताल

राग लक्षण

गुनी देस गावत अति मधुर, दूसर प्रहर नित रात को।
अरु सकल सुध सुर मृदुल नी युत, सोरटी सम रूप को॥
सुर वादी पंचम रिषभ सहचर, अल्प ध-ग आरोह को।
अरु तनिक मृदु गन्धार सोहें, देत चित आनन्द को॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

						रे				
म	ग	|	सा रे	ग म	ग	निं	सा	सा	सा	|
गु	नी	|	दे ·	· ·	स	गा	·	व	त	|
६			१			४		६		

म												
रे	म	म	प	प	नि	सां	|	नि	सां	रें	नि़	नि़
अ	ति	म	धु	र	दू	·	|	स	र	प्र	ह	र
१			४		६			१			४	

ध	म	|	प ध	नि़	ध	प	ऽ	म	प	|	नि	सां	नि
नि	त	|	रा ·	·	त	को	·	अ	रु	|	स	क	ल
६			१			४		६			१		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	सां	सां	रें	|	सां	नि	सां	नि	ध	ऽ	प	प	|
सु	ध	सु	र	|	मृ	·	दु	ल	नी	·	यु	त	|
४		६			१				४		६		

म रे	म	रे	म	प	नि	ध	|	प	ध	म	रे	ऽ ‖
सो	·	र	टी	·	स	म	|	रू	·	प	को	· ‖
१			४		६			१			४	

अन्तरा

म	प	|	नि	ऽ	नि	सां	ऽ	सां	सां	|	नि	सां	नि
सु	र	|	वा	·	दि	पं	·	च	म	|	रि	ष	भ
६			१			४		६			१		

सां	सां	सां	सां	|	नि	सां	नि	सां	सां	सां	ऽ	|
स	ह	च	र	|	अ	·	ल्प	ध	ग	आ	· |
४		६			१			४		६		

नि	सां	रें	सां	रें	ऽ	नि	सां	|	रें	मं	गं	रें नि	सां
रो	·	·	ह	को	·	अ	रु	|	त	नि	क	मृ	दु
१				४		६			१			४	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि
सा ऽ | प नि सां रें रें नि ऽ ध प | रे म रे
गं · | धा · · · र सो · हे · | दे · त
६ १ ४ ६ १

ग
म प नि ध | प ध म रे ऽ ||
चि त आ · | न · न्द को · ||
४ ६ १ ४

—o—

राग देश झपताल

प्रभो तुम बिन कवन मोरी नैया करे पार।
पड़ी आन मँझधार, डोल रही॥
बोझी विषय भार, केवट मतवार।
आवो करो पार, किरपा घनी॥
मेरी सुनो पीर, देओ मुझे धीर।
है नीर गंभीर, पार करो॥

स्थायी

प नि सां रें नि | ध प ध ग म प ध म ग रे
प्र भो · · · | तु म बि न क व न मो · री
८ १ ३ + ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे
निं सा ग रे ऽ ग म ग रे ग निं सा सा ।
नै · या · · · क्र रे · · पा · र ।
१ ३ + ८

म
निं सा रे म रे म प नि सां सां ।
प डी आ · न मँ झ धा · र ।
१ ३ + ८

प रें सां रें नि सां नि ध प म प ॥
डो · · ल · र ही · · · · ॥
१ ३ +

अन्तरा

रें
म प नि सां नि सां सां नि सां सां ।
वो · झी · वि ष य भा · र ।
१ ३ + ८

नि सां सां ऽ रें नि सां नि ध प ।
के · व · ट म त वा · र ।
१ ३ + ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प	रे	रें	ऽ	मं	ग	रे	ग	सां नि	सां	सां	|
आ	·	वो	·	क	रो	·	··	पा	·	र	
१		३			+			८			

प	नि	सां	ऽ	रे	सां	नि	ध	प	म	प	ऽ	||
कि	र	पा	·	घ	नी	·	·	·	·	·	·	
१		३			+							

—०—

राग देश—तीन ताल

नेक चाल चलिये हे मनुवा। घड़ि घड़ि पल पल हरि से डरिये॥
आप आपना स्वतंत्रता से। कर विचार उसको अनुसरिये।
किंतु देख कर निज दोषों को। दूर क्यौं न करिये॥

स्थायी

रेम	रेम	पप	सांनि	|	सां	नि	सां	रें	नि	नि	ध	प			
ने ·	कचा	· ल	चलि	|	ये	हे	·	·	म	नु	वा	·			
+		०			१				३						

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म म प प सां नि॒ ध प | प ध म ग रे ग रे नि सा ||

घडि घडि प ल प ल | ह रि से · ड रि ये · ||

\+ · ७ १ ३

अन्तरा

म म प ऽ प नि | सां सां ऽ सां नि सां सां

आ प आ · प ना | स्व तं · त्र ता · · से

\+ ७ १ ३

नि नि नि सां ऽ सां सां सां | प नि सां रें सां रें

क र वि चा · र उ स | को · · · अ नु

\+ ७ १

नि नि॒ ध प म रे म प ध नि॒ ध प प | प ध

स रि ये · किं · तु दे · · ख क र | नि ज

३ + ७ १

म ग रे ग (रे)नि सा रे म रे म ऽ प नि सां |

दो · षों · को · दू · र क्यों · न क रि

३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प	नि	सां	रें	सां	नि॒	ध	प	सां	नि॒	ध	प	म	ग	रे	सा
ये	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·	·
१								३							

—:०:—

राग देश तीनताल

श्यामा तेरी बन्सरी नेक बजाऊं ॥
जो तुम तान कहो मुरली में, सोही सोही गाय सुनाऊं ॥

स्थायी

म	रे	म	प	प	नि	सां	रें	नि॒	ध	प	म	ग	रे	ग	नि॒ सा
श्या	मा	ते	री	ब	·	·	·	न्स	री	·	ने	·	·	·	क ब
३				+				०							

रे	ग	म	रे
जा	·	·	ऊं
१			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	प	नि	नि	सां	सां	सां	|	रें	सां	नि	ध	म	प
जो	·	तु	म	ता	न	क	|	हो	·	·	·	मु	र
+				७				१					

नि	सां	रें	रें	नि	नि	नि	नि	सां	सां	सां	|
ली	·	·	में	सो	ही	सो	ही	गा	य	सु	|
३				+				७			

नि	सां	रें	सां	नि	ध	प	||
ना	· ·	·	ॐ	· ·			||
१							

राग देश तीनताल

तराना

तनत तन देरेना तानत तन देरेना नादिर दिर दानित दानि दीम् तन देरेना तन देरेना दानि उदनित तन तदरे दानि दीम तदेर्ना ॥

नादिर दिर दिर तुं दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दिर दिर, निसा रेम गरे निसारेंसा निध पम गरे घिं तिरिकिट धिकिट कत घिं तरान धा धिकत तिट धाधा घिं तिरिकिट धिकिट कत घिं तरान धाधिकत तिट धाधा घिं तिरिकिट धिकिट कत घिं तरान धाधिकत तिट धा ॥

स्थायी

म रे रे म प | नि सां ऽ सां ऽ प नि सां रें रें सां
त न त त न | दे रे · ना · ता · · · न त
७ १ ३ +

सां
नि़ ध म म ग रे | रे नि़ ध नि़ प ध म प प ध नि़
त न दे रे · ना|ना दिर दिर दा नित दानि दीं · ·
७ १ ३ +

ध प म ग रे | प म ग रे ग नि सा सा पं निं
त न दे रे ना | त न दे रें नादा · नि उ द
७ १ ३ +

सा रे म रे म प | प नि़ म प प नि सां रें रें सां नि़
नि त त न त द | रे दा · नि दीं · · · त दे ·
७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध प म ग रे ||
· · र्नां · · ||
+

अन्तरा

म म म म प प नि नि | सां सां सां सां
ना दिर दिर दिर तुं दिर दिर दिर | दिर दिर दिर दिर
+ ७ १

सां सां सां सां नि सां रे म ग रे
दिर दिर दिर दिर नि सा रे म ग रे
३ + ७

नि सां | रे सां नि ध प म ग रे रे रे
नि सा | रे सा नि ध प म ग रे धिं तिरि
१ ३ +

रें रें रें रें रें रें रें रें रें ऽ रें रें रें |
किट धि कि ट क त धिं त रा · न धा धि |
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे रे रे रे ग नि नि नि नि नि नि नि नि नि नि नि

कत् तिट धा धा घिं तिरकिट धि कि ट क त घिं त रा

१ ३ +

ऽ नि नि नि सां सां सां सां रें | नि़ नि़ नि़ नि़

· न धा धि कत् ति ट धा धा | धिंतिरकिट धि

० १

नि़ नि़ नि़ नि़ नि़ ध ध ऽ ध प प म म ग रे |

कि ट क त घिं त रा · न धा धी कत्‌ति ट धा |

३ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४ राग तिलंग

यह राग रात के दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में दो निषाद लगते हैं बाकी के सब शुद्ध स्वर है। इसमें रिषम और धैवत वर्जित है इस लिये इसकी औडव जाति मानी जाती है। इस राग में वादी स्वर गंधार और संवादी स्वर निषाद है। कभी कभी तार सप्तक में रिषम स्वर का अल्प प्रयोग करने से यह राग और अच्छा लगता है।

आरोह--नि सा ग म प नि सां।

अवरोह—सां नि् पम ग सा।

पकड़--गम पनि् पम ग।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सां, निं सा, निं सा ग, ग सा, सा ग म ग, सा ।

(२) सा ग, सा ग म ग, ग म प, म ग, प, म ग, सा ग म प, म ग, सा ।

(३) निं सा ग म प, ग म प निं, प, प, म ग, सा ग म पनि् प, म ग, प नि, प म ग, नि, प नि् प म, ग म ग, ग म, ग म प, म, ग, सा ।

(४) निं सा ग म प नि्, प, ग म प नि, सां नि्, प, नि् प सां, नि् प, सां नि् प, नि् प, ग म, ग प, म नि्, प सां, नि् प, नि् निं प म ग म प नि सां, नि् प, म प ग म, ग म प, म, ग सा ।

(५) ग म प नि्, प सां, सां, नि प, प नि सां, सां, रें नि सां, नि प, प नि रें सां नि् प, ग म प नि सां, प नि सां, नि् प, म प नि् प म प, ग म ग, सा ग म प नि सां, नि् प, म ग म ग, सा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ग म प नि, नि सां, प नि सां रें, सां, रें नि सां, नि़ प, प नि सां गं, सां, नि सां, नि सां रें सां, नि़ प, सां, नि़ प, ग म प नि़ प, प म ग, म ग, सा।

(७) निं सा ग म प नि़ म प, नि सां, नि, प म ग म प नि सां, प नि सां गं, गं मं, गं, सां, सां गं मं पं, मं, गं सां, नि सां गं, सां, नि़ प, प नि सां रें नि सां, नि़ प, ग म प नि़, नि़, नि, प नि सां, नि़ प, नि, प म ग म ग, म ग, सा ग म प, म ग, सा।

तानें

(१) निं सा ग म ग सा, निं सा ग म प म ग सा, निं सा ग म प नि़ प म ग सा, निं सा ग म प नि सां नि़ प म ग सा, निं सा ग म प नि सां रें सां नि़ प म ग सा, निं सा ग म प नि सां गं सां नि़ प म ग सा, निं सा ग म प नि सां गं मं गं सां नि़ प म ग सा, निं सा ग म प नि सां गं मं पं मं गं सां नि़ प म ग सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(२) निं सा ग म ग म प म ग सा, निं सा ग म ग म प नि प म ग सा, निं सा ग म प नि् ग म प नि सां नि् प म ग सा, निं सा ग म प नि् ग म प नि सां रें सां नि प म ग सा, निं सा ग म प नि् ग म प नि सां गं सां नि् प म ग सा, निं सा ग म प नि् ग म प नि सां गं मं गं सां नि् प म ग सा, निं सा ग म प नि् ग म प नि सां गं मं पं मं गं सां नि् प म ग सा।

(३) सा नि् प म ग सा, सां रें सां नि प म ग सा, सां गं सां नि् प म ग सा, सां गं मं गं सां नि् प म ग सा, सां गं मं पं मं गं सां नि् प म ग सा, पं—मं गं सां नि् प म ग सा, मं—गं सां नि् प म ग सा, गं—सां नि् प म ग सा, सां— नि् प म ग सा।

(४) निं सा ग म प म ग म प नि् प म ग म प नि सां नि् प म ग सा, ग म प म ग म प नि् प म ग म प नि् सां रें सां नि् प म ग सा, प नि सां नि् प नि सां गं सां नि् प नि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा ग म ग सा नि प म ग सा, नि सा ग म प नि ग म

प नि सा ग नि सा ग म प म ग सा नि प म ग सा।

(५) म म ग म ग सा, प प म प म ग सा, नि नि प नि प म

ग सा, सा सा नि सा नि प म ग सा, रे रे सा रे सा नि प

म ग सा, ग ग स ग सा नि प म ग सा, म म ग म ग

सा नि प म ग सा, प प म प म ग सा नि प म ग सा।

(६) ग म म ग म म ग म म ग सा, म प प म प प म प प

म ग सा, प नि नि प नि नि प नि नि प म ग सा,

नि सा सा नि सा सा नि सा सा नि प म ग सा, सा रे रे

सा रे रे सा रे रे सा नि प म ग सा, सा ग ग सा ग ग

सा ग ग सा नि प म ग सा, ग म म ग म म ग म म

ग सा नि प म ग सा, म प प म प प म प प म ग सा

नि प म ग सा

(७) नि सा ग म प नि सा नि प म ग सा, नि सा ग म प

ग म प नि सा रे सा नि प म ग सा, सा ग सा नि प म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग सा, निं सा ग म ग सा ग म प नि़ प म प नि सां ग

सां नि़ सां गं मं पं मं गं सां नि़ प म ग सा; म म ग म

ग सा प प म प प म प प म ग सा, नि़ नि़ प नि़ प म ग

सा, सां सां नि सां सां नि सां सां नि़ प म ग सा, गं गं

सां गं सां नि़ प म ग सा, मं मं गं मं मं गं मं मं गं सां

नि़ प म ग सा, निं सा ग म प ग म प नि सां प नि सां

गं मं सां गं मं पं मं गं सां नि़ प म ग सा।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग तिलंग—तीनताल

स्थायी

ग म प नि् प नि् प ग ऽ म | ग ग म ग सा
+ ७ | १ ३

ऽ सा नि् सा ग म प नि् म प | नि सां ऽ प नि् प
+ ७ | १ ३

म प ग म ऽ प नि् प सां नि | रें सां ऽ सां नि् प ||
+ ७ | १ ३

अन्तरा

ग म प प नि् प नि् प | नि सां नि सां ऽ सां नि सां
+ ७ | १ ३

गं मं गं सां नि सां गं मं | पं गं ऽ मं गं सां नि सां
+ ७ | १ ३

नि रें सां नि् प सां नि् प | सां नि ऽ सां नि् प ||
+ ७

———

५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग तिलंग—एकताल (द्रुतलय)

राग लक्षण

सब करत तिलंग गान, सम्मत निशि द्वितीय याम ।
सुध सुर-युत बुध प्रमान, औड़व रिध हीन मान ॥
गनि नृप मंत्री समान, निप संगत हरत भान ।
प्रति लोमे मृदु नी जान, सा ग म प निप लसत तान ॥
अवरोहन रिषभ तार, मधुर परस लसत सान ।
मूर्छना अमान तान, सारे सानि प म पनि प म ग म ॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

प सा	सा नि़	प म	ग म प नि़	प म	ग म
स ब	क र	त ति	लं · · ·	ग गा	· न
१	+	३	+	५	६

सा	ग म	नि़ प	प नि़ प नि़	प म	ग म
स	म्म त	नि सि	द्वि · ति ·	य या	· म
१	+	३	+	५	६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म प नि प नि । नि सां सां रें नि सां सां
सुध सुर · युत बुध प्रमा · · न
१ + ३ + ५ ६

प नि सां रें नि सां नि प ग म प नि प म ग म
ओं · · · ड़ व रि ध ही · · · न मा · न
१ + ३ + ५ ६

अन्तरा

नि
ग म प नि प नि सां सां सां रें नि सां सां
ग नि नृ प · मं · त्री स मा · · न
१ + ३ + ५ ६

सां
नि प सां नि प प नि प म ग म | ग म प नि प
नी प सं ग त ह र त भा · न | प्र ति लो · ·
१ + ३ + ५ ६ १ +

नि सां रें सां नि नि सां सां | सा ग म प नि प
में · मृ दु नि जा · न | सा ग म प नि प
३ + ५ ६ १ + ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म
नि़ प म ग म म ‖
ल स त ता · न ‖
\+ ५ ६

ग म प नि़ प नि सां नि सां नि सां ऽ सां | प नि
अ व रो · · ह न रि प भ ता · र | म धु
१ + ३ + ५ ६ १

सां रें सां नि़ प नि़ प नि़ प म ग म | ग सा ग
र प र स ल · स · त सा · न | मू र्छ ना
\+ ३ + ५ ६ १ +

म म प नि़ प नि सां सां | सां रें सां नि़ प म
· प्र मा · न ता · न | सा रे सा नि प म
३ + ५ ६ १ + ३

प नि़ प म ग म ‖
प नि प म ग म ‖
\+ ५ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग तिलंग—धमार ताल

आये जगत के मन हरन।
जाके चन्द्र मुख पर तेज सोहे, और उर बन माल।
मही पालन कालि कंदन, दहन खल दल घोर कानन।
शेष फणि पर करन तांडव, गरब सुरपति हरन॥

स्थायी

ग म प नि़ प | नि सां सां नि़ प नि़ प म
आ · ये · · | ज ग त के · म न ·
११ + | १ + ६

(ग)
प म ग ग ऽ सा ऽ | निं सा सा ग म नि़ प नि सां
ह र न जा · के · | च · न्द्र मु ख प र ते ·
+ ११ + | १ + ६ +

(प) (म)
सां नि़ प ग म | प नि़ प नि सां रें सां नि़
ज सो · हे · | औ · र उ र ब न मा
११ + | १ + ६ +

प म ||
· ल ||

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	ग	म	प	नि॒	प	प	नि	सा̍	सा̍	नि	सा̍	सा̍			
म	ही	·	पा	·	ल	न	का	·	लि	कं	·	द			
१			+		६		+			११		+			
सा̍	|	प	नि	नि	सा̍	सा̍	नि	सा̍	सा̍	रे̍	सा̍	नि॒			
न	|	द	ह	न	ख	ल	द	ल	धी	·	र	का			
		१			+		६		+			११			
प	ग	म	|	ग̍	ऽ	सा̍	ग̍	म̍	ग̍	सा̍	नि॒	नि॒	प	ग	
·	न	न	|	शे	·	ष	फ	णी	प	र	क	र	न	ता	
	+			१			+		६		+			११	
म	म	प	|	प	नि॒	प	नि	सा̍	रे̍	सा̍	नि॒	प	म	||	
·	एड	व	|	ग	र	व	सु	र	प	ति	ह	र	न	||	
	+			१			+		६		+				

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग तिलङ्ग—तीनताल

तुम ही मंजुल रसना।
तुम ही मूर्तिमंत संगीत साधना॥
अलौकिक माधुरी।
सब सुख सुजन की हो तुम ही।
तान ताल आलाप मूर्छना॥

स्थायी

ग म प नि म प प नि सां रें सां नि प नि सां नि प
तु म ही · · · मं · · · · · जु · · · ल
३ + ०

ग म | ग ऽ ग म ग सा ग सा ग म प नि नि
र स | ना · तु म ही · मू · र्ति मं · त ·
१ २ + ०

प म प | प नि सां सां नि प नि सां रें सां नि
सं · · | गी · · त · सा · · · ध ·
१ २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प नि़ प म ग म प नि सां नि़ प नि़ सां नि़ प ग म
ना · · · · · मं · · · जु · · · ल र स
\+ ७

ग ऽ ||
ना ·
१

अन्तरा

नि़ नि़ ऽ नि़ नि़ प नि सां नि़ | प ऽ म प नि़ प
अ लौं · कि क मा · · धु | री · स · ब ·
\+ ७ १ ३

म ग म प सां नि सां प प नि सां नि | सां ऽ
सु · ख सु ज न की · हो · · तु | म्ही ·
\+ ७ १

प नि़ प म ग म ऽ ग सा ग म प नि़ नि़ प म प |
· · · · · · · ता · न ता · ल · आ · · |
३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प नि सां रें सां नि़ प नि सां रें सां नि़ प नि़ प म
ला · · · प · मू · · · छै · ना · · ·
१ ३

ग म प नि़ सां नि़ प नि सां नि़ प ग म | ग ऽ ||
· · मं · · · जु · · · ल र स | ना · ||
+ ७ १

राग तिलंग—दादरा ताल

श्याम सुन्दर मदन मोहन कुबजी संग बात कीन्हा
अब मोसो गोकुल रह्यो न जाय ॥
गोकुल रीत छाँड़ दीन्हों, मथुरा की राह लीन्हों
धाय धाय गाय गाय, अब मोसो गोकुल रह्यो न जाय ॥

स्थायी

सा ऽ सा म ग म | प नि नि सां नि सां |
श्या · म सु न्द र | म द न मो ह न |
१ + १ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि नि सां ऽ सां सां | प नि सां रें सां नि॒ प प |
कु व जी · सं ग | वा · · · त की · न्हो |
१ + | १ + |

ग म प नि॒ ऽ प | प नि सां रें सां नि॒ प म |
अ व मो सो · गो | कु · · · ल र ह्यो · |
१ + | १ + |

ग म प नि॒ प म ग सा ||
· · · · न जा · य ||
१ + ||

अन्तरा

म ग म प नि नि | सां ऽ सां नि सां सां |
गो कु ल री · त | छां · ड दी · न्हो |
१ + | १ + |

नि नि सां ऽ सां ऽ | प नि सां रें सां नि॒ प प |
म थु रा · को · | न्या · · · ह ली · न्हो |
१ + | १ + |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म ऽ मं गं सां सां | प नि सां रें सां नि प प |
धा · य धा · य | गा · · · य गा · य
१ + १ +

ग म प नि ऽ प | प नि सां रें सां नि प म |
अ व मो सो · गो | कु · · · ल र छो ·
१ + १ +

ग म प नि प म ग सा ||
· · · · न जा · य ||
१ +

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५ राग बिहाग

यह राग रात के दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में दो मध्यम लगते हैं। बाकी के सब शुद्ध स्वर हैं। आरोह में रिषभ और धैवत स्वर वर्जित हैं। अवरोह में भी यह स्वर दुर्बल रहते हैं। शुद्ध मध्यम आरोह और अवरोह में लिया जाता है। तीव्र मध्यम गंधार के साथ नहीं लेना चाहिये। उसका प्रयोग पंचम के साथ ही किया जाता है। इस लिये इसकी जाति औडव-संपूर्ण मानी जाती है। इसमें वादी स्वर गंधार व संवादी स्वर निषाद हैं।

आरोह—निं सा ग म प नि सां।

अवरोह—सां नि ध प म॑ प ग म ग, रे निं सा।

पकड़—प, म॑ प, ग म ग, रे निं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, निं सा, ग, रे निं सा, सा ग, म ग, निं सा म ग, प
म्र ग म ग, रे निं सा।

(२) निं सा, निं सा ग, म ग, प म्र ग म ग, सा ग प म्र ग म
ग, ध प म्र प ग म ग, ग प म्र ग म ग, सा ग प ध ग म
ग, रे निं सा, निं, पं निं सा।

(३) सा म ग प, प, ध म्र प, ग म ग, ध प म्र ग म ग, नि,
प ध म्र प म्र ग म ग, निं सा ग म प म्र ग म ग, ग म प
नि, ध प म्र प, ग म ग, प, ग म ग, म ग, रे निं सा,
निं, पं निं सा।

(४) पं निं सा ग, म ग, सा ग, प, ध प, ग म प नि, नि,
ध प, प नि, सां नि, ध म्र प, नि, ध म्र प, ग म ग,
निं सा ग म ध प ग म ग, प, ग म ग, ग, निं सा,
पं निं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) निं सा ग म प नि, ध म्र प, प सा नि सा, सा रे नि
सा, नि, ध म्र प, ग म प नि सा, नि सा, नि, ध म्र प,
प नि सा रे नि सा, नि, ध म्र प, सा, नि, ध म्र प,
प, म्र, म्र, म्र, ग म ग, सा म ग प ध, ग म ग, रे निं सा।

(६) ग म प नि सा, सा नि, प नि सा, सा, रे सा, सा ग, रे
नि सा, नि सा ग, म ग, रे नि सा, नि सा रे नि सा, नि,
नि, नि, ध म्र प, प नि, प ध म्र प, ग म ग, नि सा नि,
ग म ग, नि सा नि, प, ग म ग, सा ग प ध ग म ग,
रे निं सा।

(७) ग म प नि सा ग, रे नि सा, सा ग, सा ग म ग, सा ग
प म्र ग म ग, ग प म्र ग म ग, म ग, रे नि सा, सा नि,
ध म्र प, ग म प सा नि, ध म्र प, नि ध म्र प, ध म्र प,
प म्र ग म ग, सा म ग प, प नि, सा, ग म ग, रे निं सा,
निं, पं निं सा।

तानें

(१) निं सा रे निं सा, निं सा ग रे निं सा, निं सा ग म ग रे सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

निं सा, निं सा ग म प म ग रे सा निं सा, निं सा ग म प नि ध म ग रे सा, निं सा ग म प नि सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि सा रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि सा ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि सा ग म ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि सा ग म प म ग रे सा नि ध प म ग रे सा।

(२) निं सा रे निं सा ग म ग रे निं सा, निं सा ग म प ग म प म ग रे सा निं सा, निं सा ग म प ग म प नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प ध ग म प नि सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प ध ग म प नि सा रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि प नि सा ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि प नि सा ग म ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प नि प नि सा ग म प म ग रे सा नि ध प म ग रे सा।

(३) सा नि ध प म ग रे सा, सा रे सा नि ध प म ग रे सा, सा ग रे सा नि ध प म ग रे सा, सा ग म ग रे सा नि ध प म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग रे सा, सां गं मं पं मं गं रें सां नि ध प म ग रे सा, पं—
मं गं रें सां नि ध प म ग रे सा, मं—गं रें सां नि ध प म ग
रे सा, गं—रें सां नि ध प म ग रे सा, रें—सां नि ध प म ग
रे सा, सां—नि ध प म ग रे सा।

(४) निं सा ग म प म ग म प नि ध प म्र प ग म प नि सां नि ध प
म्र प ग म ग रे सा, ग म प म्र ग म प नि ध प म्र प प नि
सां रें सां नि ध प म्र प ग म ग रे सा, प नि सां नि प नि सां
रें नि सां गं मं गं रें सां नि ध प म्र प ग म ग रे सा, निं सा
ग म प ध ग म प नि सां रे नि सां गं मं पं मं गं रें सां
नि ध प म्र प ग म ग रे सा।

(५) ग म ग रे सा, प ध म्र प ग म ग रे सा, नि नि ध प प ध
म्र प ग म ग रे सा, सां रें सां नि प ध म्र प ग म ग रे सा,
गं गं रें सां सां रें सां नि प ध म्र प ग म ग रे सा, गं पं मं
गं सां रें सां नि प ध म्र प ग म ग रे सा।

(६) ग म म ग म म ग म म ग रे सा, म प प म प प म प प

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म ग रे सा, प नि नि प नि नि प नि नि ध प म ग रे सा, नि सा सा नि सा सा नि सा सा नि ध प म ग रे सा, सा रे रे सा रे रे सा रे रे सा नि ध प म ग रे सा, सा ग ग सा ग ग सा ग ग रे सा नि ध प म ग रे सा, ग म म ग म म ग म म ग रे सा नि ध प म ग रे सा, म प प म प प म प प म ग रे सा नि ध प म ग रे सा।

(७) निं सां ग म प नि सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प ग म प नि सा रे सा नि ध प म ग रे सा, सा ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म ग सा ग म प नि ध प प नि सा ग रे सा सा ग म प म ग रे सा नि ध प म ग रे सा, म म ग म ग रे सा, प प म प प म प प म ग रे सा, नि नि ध नि ध प म ग रे सा, सा सा नि सा सा नि सा सा नि ध प म ग रे सा, ग ग रे ग रे सा नि ध प म गरे सा, म म ग म म ग म म ग रे सा नि ध प म ग रे सा, निं सा ग म प ग म प नि सा प नि सा ग म सा ग म प म ग रे सा नि ध प म ग रे सा।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग—तीनताल

स्थायी

निं सा ग म प म॑ ग म | ग ऽ म ग रे निं सा
\+ ७ | १ ३

पं निं सा ग रे सा निं सा | प म॑ ग म ग रे सा ||
\+ ७ | १ ३

अन्तरा

ग म प नि सां नि सां | प नि सां गं रें नि सां
\+ ७ | १ ३

सां रें सां नि ध प म॑ प | ग म प म ग रे सा ||
\+ ७ | १ ३

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग—तीनताल

राग लक्षण

गावत मधुर बिहाग राग गुनि, द्वितीय प्रहर निस।
सुध सुर मेल जनित मध्यम मृदु तीव्र अरु सो॥
आरोहन में रि-धन लगावत, संपूरन प्रतिलोम कहावत।
ग-नि वादी संवादी संमत उलट पुलट सुर संगत साधत।
औडव षाडव अरु संपूरन भेद बतावत ॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

सा ग म प प नि नि | सां रें नि सां नि ध नि
गा व त म धु र बि | हा · · · ग रा ·
\+ ७ १

सां नि ध म॑ प ग म ग रे ग म नि ध म॑ प | ग म
· ग गु · नि द्विति यप्र ह · र · निस | सुध
३ + ७ १

ग रे नि सा सा नि प प नि सा सा सा सा |
सुर मे · ल ज नित म ध्य म मृ दु |
३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म प ध ग म ग रे सा रे निं सा ||
ती · · · व र अ रु सो · · · ||
१ ३

अन्तरा

ग म ग म प प नि ध नि सां सां सां सां रें
आ · रो · ह न में · रि ध न ल गा ·
१ ३ + ७

सां सां | नि नि नि सां ध नि ध नि सां नि सां
व त | स म्पू र न प्र ति लो · · म क
१ ३ +

नि ध नि म॒ प | ग नि ध म॒ प ग म ग रे
हा · · व त | ग नि वा · · दी · स ·
७ १ ३

ग म प ध ग म ग रे निं सा | निं पं निं निं सा सा
म्वा · · · दी · स · म्म त | उ ल ट पु ल ट
+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग़	रे़	गमपध				ग़	म़	ग़	रे़	निं़	सा़	|	सा		म़	ग़	प
सु	र	सं	·	·	·	ग	त	सा	·	ध	त	|	औ		ड	व	षा
		+						८					१				३

प़	प़	प़	नि़	धनि		सां	नि	ध	नि़		म्ऱ	प़	|	गमपध			
ड	व	अ	रु	सं	·	·	पू	·	·		र	न	|	भे	·	·	·
		+					७							१			

ग़	म़	ग़	रे़	निं़	सा़
द	व	ता	·	व	त
		३			

राग बिहाग—धमार ताल

जय राम रूप अनूप निर्गुण सगुण गुण प्रेरक वही ।
दश शीश बाहु प्रचंड खंडन चाप शर मंडन मही ॥
पाथोद गात सरोज मुख राजीव आयत लोचनं ।
नित नौमि राम कृपालु बाहु विशाल भव भय मोचनं ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

ग म | ग निं सां सा ऽ रे सां निं ऽ पं निं

ज य | रा · म रू · प अ नू · प नि

\+ १ + ६ + ११

सां सा सा | निं सा सा ग ग ग(म) प प नि

र गु ण | स गु ण गु ण प्रे · र क

\+ १ + ६ +

प(ध) म्र(ध) ऽ ग म | प नि नि सां ऽ सां सां नि ऽ

व ही · द श | शी · श बा · हु प्र चं ·

११ + १ + ६ +

प ध म्र प म ग | ग ऽ ग ग म नि ध म्र

ड खं · · ड न | चा · प श · र मं ·

११ + १ + ६

प प म ग रे निं सा ||

· ड न म ही · ·

\+ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

ग	म	|	प	नि	नि	सां	ऽ	सां	सां	सां	ऽ	सां	(रें)सां
पा	·	|	थो	·	द	गा	·	त	स	रो	·	ज	मु
+			१			+		६		+			११

नि	ग	म	|	प	नि	नि	सां	ऽ	गं	मं	गं	नि	सां
ख	रा	·	|	जी	·	व	आ	·	य	त	लों	·	च
	+			१			+		६		+		

नि	ऽ	सां	प̥	म̥	|	गं	नि	सां	सां	ऽ	रें	सां
नं	·	नि	त	·	|	नौ	·	मि	रा	·	म	कु
११		+				१			+		६	

नि	म॑	प	ध̥	म̥॑	प	ग	म	|	ग	ऽ	ग	ग̥	म̥	नि
पा	·	लु	बा	·	·	हु	वि	|	शा	·	ल	भ	·	व
+			११			+			१			+		

ध̥	म̥॑	प	ग	म	ग	रे̥	निं̥	सां	||
भ	·	य	मो	·	च	न	·	·	||
६			+			११			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग—झपताल

सखी आज नंद नंद सुख कंद मुखचंद
हसत आनंद सो मची होरी ॥
एक संग ग्वालन श्याम सो बात कर
ऋत बृज नार मिल राधा गोरी ॥

स्थायी

प नि | सां ऽ सां नि ध नि ध मृ प प ध प |
स खी | आ · ज नं · द नं · · द सु ख |
१ ३ + ८

ग ऽ म प म ग ऽ रे निं सा सा | निं सा प
कं · द मु ख चं · · · · द | ह स त
१ ३ + ८ १ ३

प ऽ ध मृ प म ग ऽ | ग ग म प ध ग म |
आ · नं · · द सो · | म ची · · · · · |
+ ८ १ ३

ग सा ग म |
हो · री · |
+ ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प	ऽ	प	नि	नि	सां	ऽ	सां	सां	ऽ	|	सां	ऽ	सां
ए	·	क	सं	ग	ग्वा	·	ल	न	·	|	श्या	·	म
१		३			+		८				१		३

रे	नि	सा	नि	ध	म	प	प	सां	नि	|	सां	गं	मं
सो	·	·	वा	·	·	·	त	क	र	|	ऋ	त	·
			+				८				१		३

पं	मं	गं	रें	नि	सां	सां	रें	सां	|	नि	ऽ	ध	म	प	ऽ
बृ	ज	ना	·	·	·	र	मि	ल	|	रा	·	धा	·	·	·
		+				८				१		३			

ऽ	म	ग	म	||
·	गो	री	·	||
	+		८	

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग—बिलम्बित तीनताल

ख्याल

कैसे सुख सोवे नींदरिया, श्याम मूरत चित चढ़ी ॥
सोच सोच सदारंग आकुलाय, या विध गांठ परी ॥

स्थायी

ग रे नि सा नि सा नि सा म | ग ऽ रे नि सा
कै . . . . . . सु ख | सो . . . .
+ १३ १

सा ऽ ऽ ऽ सा ऽ नि सा ऽ सा रे नि सा नि ऽ |
वे . . . नीं . . . . द . रि . या . |
५ + १३

ऽ ऽ पं धं म्रं पं ऽ ऽ ऽ ऽ सा म ग म म
. . . . श्या म मू र त
१ ५ + १३

म ग रे ग म | प ऽ नि ध नि ध म्र प
. . . . चि | त . च . . ढी . .
१ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऽ	म्र	ग	म	‖
·	·	·	·	‖

अन्तरा

प	ऽ	सां	सां	ऽ	ऽ	नि	सा	ऽ	|	सां	ऽ	ऽ	ऽ	
सो	·	च	सो	·	·	·	·	·	|	च	·	·	·	
+				१३						१				

सां	नि	सां नि	ध नि	नि सां	रें नि	सां	नि
स	दा	· ·	· ·	· ·	· ·	·	रं
५				+			

ध म्र	प	ऽ म्र	ग म	प म	|	ग	ऽ	रे नि	सा	ऽ	सा
ग ·	·	· ·	· ·	आ कु	|	ला	·	· ·	·	·	ये
१३						१					५

ऽ	ऽ	ऽ	सा	म	ग	ऽ	ग	म	प	सां	|	नि	ऽ
·	·	·	या	वि	ध	·	गां	·	ठ	प	|	री	·
			+				१३					१	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध म॒ प ऽ ऽ म॒ ग म ||
· · · · · · · · ||
५

———

राग बिहाग—तीनताल

सकल भुवन उसके गुण गावे।
जाके मुख पर तेज विराजे, जो सब के सुख में सुख पावे ॥
सुन्दर यौवन रूप बृथा सब. जो न चरित अति दिव्य दिखावे।
प्रेम निकेतन सरल सचेतन, जन्म सफल कर सुयश कमावे ॥

पं० राम नरेश त्रिपाठी

स्थायी

सा म ग म प प नि ध | सां रें नि सां नि सां
स क ल भु व न उ स | के · · · गु ण
\+ ७ | १

नि ध नि म॒ प ग म ग रे ग म नि ध म॒ प | ग म
गा · · वे · जा · के · मु · ख · प र | ते ·
३ + ७ | १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग रे निं सा सा निं पं निं निं सा ग रे |
ज त्रि रा · जे जो · स ब के सु ख |
३ + ७

ग म प ध ग म ग रे ग निं सा ||
में · · · सु ख पा · · वे · ||
१ ३

अन्तरा

म म ग म प नि ध | नि सां सां सां सां रें सां
सु · न्द र यौ व न | रू · प हू था स ब
+ ७ १ ३

नि नि सां नि ध म प | प नि नि ध नि सां नि
जो न च रि त अ ति | दि व्य दि खा · · वे
+ ७ १ ३

नि सां रें सां नि ध प ध म प | ग म प म ग रे
प्रे · म नि के · त · न · | स र ल स चे ·
+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा रे निं सा	ऽ सा	ग म	प प	नि नि	|	प नि
त · न ·	ज	न्म स	फ ल	क र	|	सु य
	+		७			१

सां	गं	गं	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	‖
श	क	मा	·	·	·	वे	·	·	·	‖
		३								

राग बिहाग—तीनताल

जय रामचन्द्र कमला विहार। जय कौशलेश करुणावतार ॥
रघुवंश कमल कानन दिनेश। कंदर्प कोटि कमनीय वेश ॥

स्थायी

सा निं	सा म	ग प	ऽ प	नि ध	|	सां रें नि सां
ज य	रा ·	म चं	· द्र	क म	|	ला · · ·
	+		७			१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitiżagtion by eGangotri

नि ध म्र प प ग म ग ग ग ऽ म ग रे | ग म प ध

वि हा · · र ज य कौ श ले · श क रु | णा · · ·

३ + ७ १

म ग रे निं सा ||

व ता · · र ||

३

अन्तरा

ग म प नि नि नि सां सां नि ध | नि सां

र घु वं · श क म ल का : | न न

+ ७ १

सां सां ऽ सां सां नि सां मं ग सां रें नि सां नि

दि ने · श कं · द · र्प को · · · टि

३ + ७

प ध म्र प | ग प म ग रे निं सा सा ||

क · म · | नी · · य वे · · श ||

१ ३

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बिहाग—तीनताल

अपनो कबहूँ कर जानि हो। राम गरीब निवाज राज मनि। बिरुद लाज उरझानी हो॥ अन्तरा॥ शील सिन्ध सुन्दर सब लायक। समरथ सदगुण खानी हो। पाले हो पालक पुनि पालऊ प्रणत प्रेम पहिचान हो॥

स्थायी

निं सा ग ग म प नि ध | सां रें नि सां ऽ नि
अ प नो क ब हूँ क र | जा · · · · नि
+ ७ | १

नि ध म॒ प ग म ग रे ग म प ध म॒ प | ग म
हो · · · रा · म ग री · ब · नि · | वा ·
३ + ७ | १

ग रे सा निं रे सा सा निं पं पं निं सा सा ग म |
ज · रा · ज म णि त्रि र द ला · ज उ र |
३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म प ध ग म ग रे सा ‖
झा · · · · नी हो · · ·
१ ३

अन्तरा

ग म प नि नि नि सां सां सां सां नि ध सां नि |
शी ल सि · न्धू सुं द र स व ला · · य |
१ ३ + ७

ध म्र प ऽ ग म ग ग ग म प सां नि ध म्र प |
क · · · स म र थ स द गु णी खा · · · |
१ ३ + ७

सां नि सां ऽ ऽ नि सां ग रे सां नि | ध नि
· नी हो · · पा ले हो · पा · | ल क
१ ३ + ७ १

रें सां नि ध म्र प ग म ग ग ऽ ग ग रे |
पु नी पा ल · हू म ण त मे · म प ह |
३ + ७

७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म प ध	ग म	ग रे सा	|
चा · · ·	· नी	हो · ·	|
१		३	

—०—

राग हमीर

यह राग रात के दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में दो मध्यम लगते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। आरोह में पंचम वर्जित है। शुद्ध मध्यम आरोह अवरोह में बराबर आता रहता है। और तीव्र मध्यम का प्रयोग पंचम के साथ ही किया जाता है। अवरोह में गंधार स्वर वक्र रहता है। इस राग की जाति षाडव संपूर्ण मानी जाती है। इसमें वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर गंधार है।

आरोह—सा रे ग म ध, नि सां।

अवरोह—सां नि ध प म्र प, ग म रे सा।

पकड़—ग म ध, म्र प, ग म, रे सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, सा रे, सा, ग म रे सा, सा रे ग म, रे सा, सा रे ग म, रे, ग म प, ग म, रे सा।

(२) सा रे सा, सा रे ग म, रे, ग म प, प, ग म रे, ग म प, ग म रे, म रे, रे ग म प ग म रे, ग म ध, म्र प, ग म रे, प, ग म रे, निं सा।

(३) सा रे ग म प, प, ध म्र प, ग म रे, ग म ध, ध, ध, म्र प, प ध म्र प, ग म रे, रे ग म ध, म्र प, ध म्र प, ग म रे, रे सा, म रे, सा, प, ग म रे सा, ध, म्र प, ग म प, ग म, रे सा।

(४) सा निं धं, निं सा, सा रे, सा, सा रे ग म ध, म्र प, ग म ध, नि ध नि सा, नि ध म्र प, सा नि ध प, प ध म्र प, ग म ध, ध, प, म्र प ध, प, ग म प, ग म रे, सा, प, ग म रे, म रे, निं सा।

(५) ग म ध, नि ध, नि सा सा नि ध, प म्र प, ध प, ग म ध,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां, सां रें, सां, रें, सां नि ध, प, म्र प ध प, नि ध नि सां, नि ध, प, प ध म्र प, ग म रे, ध, ग म रे, सा रे ग म प, ग म रे, निं सा ।

(६) सा रे ग म ध, नि सां, सां रें, सां, सां रें गं मं रें, सां, मं रें, सां, रें सां, सां रें सां नि ध प म्र प, ग म ध, ध नि सां रें, सां नि ध प, नि ध, म्र प, ध प, प, ध म्र प, ग म रे, म रे, ध म्र प, ग म रे, रें, सां नि ध प, म्र प, ग म रे, ग म ध, म्र प, ग म रे, प, ग म रे, निं सा ।

(७) ग म ध, नि सां, सां नि ध नि रें सां, सां रें गं मं रें सां, सां रें गं मं पं, गं मं पं, गं मं रें सां, सां रें, सां, ग म ध, सां, नि ध नि सां, म्र प ग म ध, नि सां, सां नि, ध म्र प, प ध म्र प, ग म रे, रे, ग म ध, रे, प, ग म रे, सा म ग प, म्र ध म्र प, नि ध नि-सां नि ध म्र प ग म रे, प, ग म, रे, सा रे निं सा ।

तानें

(१) सा रे सा, सा रे ग म रे सा, सा रे ग म प ग म रे सा, सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे ग म ध प ग म रे सा, सा रे ग म नि ध म्र प ग म रे सा, सा रे ग म ध नि सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे ग म ध नि सां रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे ग म ध नि सां रें गं मं रें सां नि ध म्र प ग म रे सा, सा रे ग म ध नि सां रें गं मं पं गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा।

(२) सा रे नि सा ग म रे सा, सा रे नि सा ग म प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म ध प म्र प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म नि ध म्र प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म ध नि सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म ध नि सां रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म ध नि सां रें गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे नि सा ग म ध नि सां रें गं मं पं गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा।

(३) सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सां रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सां रें गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, सां रें गं मं पं गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, पं—गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, मं—गं मं रें सां नि ध प म्र प ग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म रे सा, रे—सां नि ध पं म्र प ग म रे सा, सां—नि ध प म्र प ग म रे सा।

(४) सा रे ग म प ग म ध ध म्र प ध नि सां नि ध प म्र प ग म रे सा, ग म ध ध म्र प ध नि सां नि ध प म्र प ध नि सां रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, म्र प ध नि सां नि ध प म्र प ध नि सां रें सां नि सां रें गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा, ध नि सां रें सां नि सां रें गं मं रें सां सां रें गं मं पं गं मं रें सां नि ध प म्र प ग म रे सा।

(५) ग म रे सा, प ध म्र प ग म रे सा, ध ध म्र प ग म प ग म रे सा, नि नि ध प म्र प ग म प ग म रे सा, सां नि ध प म्र प ग म प ग म रे सा, सां रें सां नि ध प प ध म्र प ग म प ग म रे सा, गं मं रं सां सां रें सां नि ध प प ध म्र प ग म प ग म रे सा, मं पं गं मं रें सां सां रें सां नि ध प प ध म्र प ग म प ग म रे सा।

(६) ग म म ग म म ग म म रे सा, म प प म प प म प प ग म रे सा, प ध ध प ध ध प ध ध म्र प ग म रे सा,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि सा सा नि सा सा नि सा सा ध प म्र प ग म रे सा,
सा रे रे सा रे रे सा रे रे सा नि ध प म्र प ग म रे सा,
ग म म ग म म ग म म रे सा नि ध प म्र प ग म रे
सा, म प प म प प म प प ग म रे सा नि ध प म्र प
ग म रे सा।

(७) सा रे ग म ध नि सा नि ध प म्र प ग म रे सा, सा रे
ग म ध म्र प ध नि सा रे सा नि ध प म्र प ग म रे सा,
सा रे ग म रे सा नि ध म्र प ग म रे सा, सा रे ग म रे
सा रे ग म ध म्र प ध नि सा रे नि सा रे ग म प ग म
रे सा नि ध प म्र प ग म रे सा, म म ग म रे सा, प प
म प प म प प ग म रे सा, ध ध प ध म्र प ग म रे सा,
सा सा नि सा सा नि सा सा नि ध प म्र प ग म रे सा,
रे रे सा रे सा नि ध प म्र प ग म रे सा, म म ग म म
ग म म रे सा नि ध प म्र प ग म रे सां, सा रे ग म ध
ग म ध नि सा म्र प ध नि सा रे सा रे ग म प ग म रे
सा नि ध प म्र प ग म रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर—तीन ताल

स्थायी

ध ऽ नि सां नि ध प म्र प ग म ध ध म्र प |
१ ३ + ७

ग म रे सा सा रे ग म रे रे सा सा प म्र ग म ||
१ ३ + ७

अन्तरा

प प सां सां सां सां सां ध नि सां रें सां नि ध प |
१ ३ + ७

सां रें गं मं रें रें सां सां सां नि ध प म्र प ग म ||
१ ३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर—तेवरा ताल

राग लक्षण

यह सुखद राग हमीर निशि प्रति प्रहर पहले गाइये ।
रखि सुर समस्त पुनीत निर्मल तीख मध्यम लाइये ।।
सुर वादि धैवत करत अरु संवादि सुर गंधार को ।
आरोह पंचम हीन विलसत वक्र नी अनुलोम को ।।१।।
प्रति लोम सोहत मधुर वक्र गँधार सुर इस राग में ।
अस मधुर रचना प्रगट होवत वीर अरु शृंगार में ।।२।।

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

सा	सा	| प	प	प	प ध	म॑ प	ग	म	| (नि) ध	ऽ	रें
य	ह	| सु	ख	द	रा	·	·	·	ग	ह	| मी	·	र
६		१			४				६		१		

सां	नि	ध	प	| म॑	प	ध	म॑	प	प	ऽ	| ग	ऽ
नि	शि	प्र	ति	| प्र	ह	र	प	ह	ले	·	| गा	·
४		६		१			४		६		१	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि

म ध ऽ म्र प | ध ध प म्र प प ध | ध

इ ये · र खि | सु र स म · स्त पु | नी

४ ६ १ ४ ६ १

ऽ प म्र प प प | ग म रे ग म ध प |

· त नि · र्म ल | ती · ख म · ध्य म |

४ ६ १ ४ ६

प

ग म रे सा ऽ ||

ला · इ ये · ||

१ ४

अन्तरा

प प | सां ऽ सां सां ऽ सां सां | सां सां सां

सु र | वा · दि धै · व त | क र त

६ १ ४ ६ १

सां सां सां ऽ | ध नि ध सां सां सां ऽ | सां रें

अ रु सं · | वा · दि सु र गं · | धा ·

४ ६ १ ४ ६ १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि़	सां़	सां	ध	ऽ	सां	ऽ	|	ग	म	रे	नि	सां	सां
·	·	र	को	·	आ	·	|	रो	·	ह	पं	·	च
			४		६		|	१			४		६

सां	|	ध	ऽ	प	म़	प	प	प	|	ग	म	रे	ग	म	ध
म	|	ही	·	न	वि	ल	स	त	|	व	·	क्र	नी	·	अ
	|	१			४		६		|	१			४		६

प	|	ग	म (प)	रे	सा	ऽ	||
नु	|	लो	·	म	को	·	||
	|	१			४		

———

राग हमीर—चारताल धृपद

चंचल चपला की गत तैसो कमल वदनी अनुपम।
कामिनि सुन्दर करन फूल राजत माने मंगल गावो॥
मुख मूरत छबि सुन्दर परम काम विश्राम धाम।
दृग विशाल अधर पर विद्रुम बार बार डार॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

सां ऽ ऽ सां ध ऽ | नि ध ऽ म्र प प
चं · · च ल · | च प · ला · की
\+ ९ ११ | १ + ५

धं प ऽ म्र प प | ग म रे ग म ध
ग त · तै · सो | क म ल व द नी
\+ ९ ११ | १ + ५

म्र प ग म ऽ रे सा ऽ | रे सा रे ऽ सा सा रे
अ नु · · · प म · | का · · · मि नी सु
\+ ९ ११ | १ + ५

सा रे ऽ सा सा सा रे धं सा | ऽ रे सा ऽ
· · · न्द र क र न फू | · ल रा ·
\+ ९ ११ | १ +

सा ध प ऽ ऽ ग ऽ म | ध नि रें सां ध नि
ज त मा · · ने · मं | · ग ल गा · वो
५ + ९ ११ | १ + ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

ग म	ध	ऽ	नि	सां	सां	सां	सां	सां	ऽ	सां	सां	
मु	॰	ख	॰	मू	र	त	छ	वि	सु	॰	न्द	र
१		+		५		+		९		११		

ध	ध	ध	सां	ऽ	सां	सां	रें	सां	ऽ	ऽ	नि
प	र	म	का	॰	म	बि	स	रा	॰	॰	म
१		+		५		+		९		११	

ध	ऽ	प	म॒	प	प	ऽ	ध	(ध)प	म॒	प	प
धा	॰	म	इ	ग	वि	॰	शा	॰	॰	॰	ल
१		+		५		+		९		११	

सा	सा	सा	ध	ध	प	ऽ	ध	नि	सां	ऽ	नि
अ	ध	र	प	र	वि	॰	द्रु	म	वा	॰	र
१		+		५	+				११		

ध	ऽ	प	ध	नि	रें
वा	॰	र	डा	॰	र
१		+		५	

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर—एकताल (ख्याल)

करन चहूं रघुपति गुण गाहा। लघुमति मोरी चरित अवगाहा॥
सूझत एको अंग उपाऊ। मनुमति रंक मनोरथ राऊ॥

स्थायी

नि नि

नि सां नि ध नि ध म्र प ग म | ध ध ऽ ध ध
क र न · च हूँ · · र घु | प ति · गु ण
९ ११ | १ +

नि नि नि म्र
ध नि ध म्र प ध नि सां ध प ग म | ध ऽ प
गा · · हा · · · · · · ल घु | म · ती
५ + ९ ११ | १ +

ऽ प ध म्र प ऽ ग म ऽ रे ऽ रे ग म ध म्र प |
· मो · · · · · · · री · च रि त · अ व |
५ + ९ ११

ध म्र प ऽ ग म प ऽ ग म रे सा रे निं सा ऽ ||
गा · · · · · · · · · · हा · · · · ||
१ + ५ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प	सां	सां	सां	ऽ	(नि)सां	सां	ऽ	सां	सां	सां	सां
सू	झ	न	ए	.	.	को	.	अं	ग	उ	पा
९			११			१		+			५

ऽनि	रें	सां	ऽसां	गंमं	पं	गं	मंरें	सां	ऽ
. .	.	ऊ	. म	नु .	.	.	. म	ती	.
	+		९			११		१	

सांरें	निसां	ऽ	(नि)ध	(नि)म	प	प	ऽग	मध	ऽ	धध
रं .	. .	.	.	.	.	क	. म	नो .	.	र थ
+			५	+			९		११	

(नि)ध	नि	ध	ऽ	मपधनि	सां	निधऽ	मप
रा	.	.	.	. . . .	.	. . .	ऊ .
१	+		५		+		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर—एकताल

अन्तर निज खोल देख, प्रेम के पुजारी।
सतत मधुर हो प्रभूत, वेदना तुम्हारी॥
प्रिय की सुधि में सचेत, रह कर बन सुख निकेत।
मान छोड़ रे अजान, मान के भिखारी॥

पं० रामनरेश त्रिपाठी

स्थायी

ध नि सां	नि ध	म़ प	म़ प	नि ध म़	प प
अ · ·	न्त र	नि ज	खो ·	ल · दे	· ख
१	+	३	+	५	६

म़ प	ध प ध	म़ प प	ग	ग म ध	ध नि नि
प्रे ·	म के ·	· · पु	जा	री · ·	· ·
१	+	३	+	५	६

म़ प	नि ध म़	प रे	ग म प म	रे नि	सा सा
स त	त · म	धु र	हो · · ·	प्र भू	· त
१	+	३	+	५	६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि
सा रे | ग म ध | म्र प प | ग | ग म ध | ध नि ||
वे · | द ना · | · · तु | म्हा | री · · | · · ||
१ | + | ३ | + | ५ | ६

अन्तरा

प प | सां | सां सां | सां | सां सां | ऽ सां |
प्रिय | की | सु धि | में | स चे | · त |
१ | + | ३ | + | ५ | ६

ध ध | नि सां | रें रें | नि सां | नि ध | ऽ प |
र ह | क र | व न | सु ख | नि के | · त |
१ | + | ३ | + | ५ | ६

सां | सां गं | मं रें | नि सां | नि ध म्र | प प |
मा | न छो | · ड़ | रे · | अ · जा | · न |
१ | + | ३ | + | ५ | ६

नि
म्र प | ध प ध | म्र प प | ग | ग म ध | ध नि ||
मा · | न के · | · · भि | खा | री · · | · · ||
१ | + | ३ | + | ५ | ६

८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग हमीर—तीनताल

गुरु बिन कौन बतावे बाट ॥
बड़ा विकट यमघाट ॥
भ्रांति की पहाड़ी नदिया बिचमो ।
अहंकार की लाट ॥
मद मत्सर का मेह बरसत ।
माया पवन वहै दाट ॥
कहत कबीर सुनो भाई साधो ।
क्यों तरना यह घाट ॥

स्थायी

प ध नि सां नि ध प म्र प ध प ध म्र प ग म | नि ध
गु रु · · बि न कौ · न ब ता · · · वे · | वा
३ + ७ १

ऽ ध प ध नि सां नि ध ग ग म ध म्र प म रे |
· ट गु रु · · बि न ब ड़ा · वि क ट य म |
३ + ७

ग म ध म्र प म || ग म रे सा
घा · · · · ट || गु रु बि न
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प	सां	सां	सां	सां	सां	|	ध	नि	सां	रें	सां	नि
ग्रां	ति	की	प	हा	ड़ी	|	न	दि	या	·	वि	च
+			७				१				३	

ध	म्र	प	म्र	प	ऽ	प	ध	म्र	प	प	ग	म	|	नि ध	ऽ	ध	‖
मो	·	·	अ	हं	·	का	·	·	·	र	की	·	|	ला	·	ट	‖
			+					७						१			

राग हमीर—तीनताल

ढीट लँगरवा कैसे घर जाऊँ

सुन पावे मोरी सास ननंदिया छांड़ दे मोहें ॥

हूं चली पनघटवा ठाढ़ो, कौन बहाने प्यारे बल्मा ।

छीन ली मोरी शीश गगरिया वरजोरी पी आवे सुन्दरवा ॥

स्थायी

म्र	प	प	ध	प	ध	म्र	प	ग	म	|	ध	ऽ	नि	ध	नि	सां
ढी	·	ट	लं	ग	·	र	·	वा	·	|	कै	·	·	से	·	·
+				७							१			३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां सां सां रें सां नि ध प म॑ प ग म रे सा नि सा सा |
घ र जा · · · · · · · · · · · · · ऊँ |
\+ ७

सा सा म ग प म॑ ध प प म॑ प ध प ध म॑ प
सु न पा · वे · मो री सा · स न न · दि ·
१ ३ + ७

ग म | ध ऽ नि ध नि सां रें सां नि ध ||
या · | छां · ड़ दे · · · मो हे · ||
१ ३

अन्तरा

प ऽ सां सां सां सां ध नि ध नि सां रें ऽ सां ऽ सां |
हूँ · च ली प न घ ट वा · · · ठा · ढ़ो |
१ ३ + ७

ध नि ध नि सां सां ऽ सां रें नि सां ऽ ध प |
को · न ब हा ने · प्या · रे · · व ल्मा |
१ ३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म ग म रे सां रें सां सां ध नि सां रें नि सां ध प |
छी · न ल ई · मो री शी · श ग ग रि या · |
१ ३ + ७

म़ म़ प ध नि सां रें सां नि ध म़ प ध प ध म़ प
ब र जो री · · · पी · · आ वे सु न्द · र ·
१ ३ + ७

ग म | ध ऽ नि ध नि सां रें सां नि ध ||
वा · | कै · · से · · · घ र · ||
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भीमपलासी

यह राग दिन के चौथे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में गंधार और निषाद कोमल लगते हैं। बाकी के सब स्वर शुद्ध हैं। आरोह में रिषभ और धैवत स्वर वर्जित है। इसलिये इसकी जाति औडव-सम्पूर्ण मानी जाती है। इसमें वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है।

आरोह—निं सा ग् म प नि् सां।

अवरोह—सां नि् ध प म ग् रे सा।

पकड़—ग् म प, ग् म, ग् रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, नि़ सा, पं नि़ सा, नि़ सा ग॒, रे, सा, सा नि़, धं पं, मं पं नि़, पं नि़ सा।

(२) नि़ सा, पं नि़ सा, नि़ सा ग॒, रे सा, नि़ सा म, मं ग॒, सा म ग॒, ग॒, रे सा, नि़ सा, नि़ धं पं, मं पं नि़, पं नि़ सा।

(३) नि़ सा म, म ग॒, सा ग॒ म प, प, म प, ग॒ म, ग॒ म ग॒ प, प म, नि़ सा ग॒ म प म, प म ग॒ म, ग॒ म प, ग॒ म, नि़ सा ग॒ म प ग॒ म, सा ग॒ म, ग॒, रे सा।

(४) नि़ सा ग॒ म प, ग॒ म ग॒ प, प, म प ग॒ म, ग॒ म प नि॒, ध प, ध प म प ग॒ म, नि़ सा ग॒ म प, ग॒ म प नि॒, ध प, म प ग॒ म, सा ग॒ म प, ग॒, रे सा।

(५) ग॒ म प नि॒, नि॒, ध प, म प नि॒, ध प, प नि॒, ध, म प नि॒ ध प, म प नि॒, सां नि॒, ध प, प नि॒ ध प, ग॒ म ग॒ प, म नि॒ प सां, नि॒, ध प, सां नि॒ ध प, नि॒ ध प, ध प म प, ग॒ म, नि़ सा ग॒ म प, ग॒ म, ग॒, रे सा, नि़, धं पं, पं नि़ सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ग़ म प नि़ , नि़ , नि़ , नि़ , प नि़ सां, सां नि़ , प नि़ सां,
नि़ सां ग़ं, रें सां, रें सां, नि़ सां नि़ , प नि़ सां , नि़ ध प,
म प सां, नि़ ध प, म प नि़ , ध प, ध प, म प ग़ म, ग़ म
प नि़ सां, नि़ , ध प, म प ग़ म, ग़ म प, ग़ , रे सा, निं़ ,
निं़ निं़ , पं निं़ सा ।

(७) प प, ग म प नि़, सां, सां नि़, प नि़ सां ग़ं, रें सां, ग़ं,
रें सां, नि़ सां मं, ग़ं रें सां, नि़ सां ग़ं मं पं, ग़ं मं, ग़ं, रें सां,
मं ग़ं रें सां, ग़ं रें सां, रें सां, नि़, प नि़ सां, नि़, ध प,
म प ग़ म, प सां, प नि़, ध प, प, म प ध प, ग़ म,
निं़ सा म, ग़ प, म नि़, प सां, नि़ सां ग़ं, सां रें, नि़ सां,
प नि़, ध प, म प, ग़ , सा ग़ म प, ग़, रे सा, निं़, पं निं़ सा ।

तानें

(१) निं़ सा ग़ रे सा, निं़ सा ग़ म ग़ रे सा, निं़ सा ग़ म प म
ग़ रे सा, निं़ सा ग़ म प नि़ ध प म ग़ रे सा, निं़ सा ग़ म
प नि़ सां नि़ ध प म ग़ रे सा, निं़ सा ग़ म प नि़ सां रें सां

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प नि॒ सां ग॒ रे सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प नि॒ सां ग॒ म ग॒ रे सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प नि॒ सां ग॒ म प म ग॒ रे सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा।

(२) नि॒ सा ग॒ म प ग म प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ सां रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ सां ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ सां ग॒ म ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ सां ग॒ म प म ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा।

(३) सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, सां रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, सां ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, सां ग॒ म ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, सां ग॒ म प म ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, प–म ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, म-ग॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा, ग्–रे सां नि् ध प म ग् रे सा, रे–सां नि् ध प म ग् रे सा, सां–नि् ध प म ग् रे सा।

(४) नि् सा ग् म प म ग् म प नि् ध प म प ग् म प नि सां नि् ध प म प ग् म ग् रे सा, ग् म प म ग् म प नि् ध प म प ग् म प नि् सां नि् ध प म ग् रे सा, प नि् सां नि् प नि् सां रे सां नि् प नि् सां मं ग् रे सां नि् ध प म ग् रे सा, नि् सां रें सां नि् सां ग् रे सां नि् सां ग् म प म ग् रे सां नि् ध प म ग् रे सा।

(५) म म ग् म ग् रे सा, प प म प म ग् रे सा, नि् नि् प नि् ध प म ग् रे सा, सां सां नि् सां नि् ध प म ग् रे सा, रे रे सां रे सां नि् ध प म ग् रे सा, ग् ग् सा ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा, मं मं ग् म ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा, प प मं प मं ग् रे सां नि् ध प म ग् रे सा।

(६) ग् म म ग् म म ग् म म ग् रे सा, म प प म प प म प प म ग् रे सा, प नि् नि् प नि् नि् प नि् नि् ध प म ग् रे सा, नि् सां सां नि् सां सां नि् सां सां नि् ध प म ग् रे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा, सा रे रे सा रे रे सा रे रे सा नि् ध प म ग् रे सा,
सा ग् ग् सा ग् ग् सा ग् ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा,
ग् म म ग् म म ग् म म ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा,
म प प म प प म प प म ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा ।

(७) नि् सा ग् म प नि् सा नि् ध प म ग् रे सा, नि् सा ग् म प ग् म प नि् सा रे सा नि् ध प म ग् रे सा, सा ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा, नि् सा ग् म प म ग् म प नि् सा नि् प नि् सा ग् म ग् सा ग् म प म ग् रे सा नि ध प म ग् रे सा, म म ग् म ग् रे सा, प प म प प म प प म ग् रे सा, नि् नि् प नि् ध प म ग् रे सा, सा सा नि् सा सा नि् सा सा नि् ध प म ग् रे सा, ग् ग् सा ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा, म म ग् म म ग् म म ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा, नि् सा ग् म प ग् म प नि् सा प नि् सा ग् म सा ग् म प म ग् रे सा नि् ध प म ग् रे सा ।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी—तीनताल

स्थायी

नि॒ ध प ग॒ ऽ रे सा रे | निं सा ग॒ म
+ ७ | १ ३

ग॒ म प नि॒ प नि॒ सां रें | नि॒ सां नि॒ ध प म ग॒ म
+ ७ | १ ३

अन्तरा

ग॒ म प ग॒ म प ग॒ म ‖ प नि॒ ऽ प ऽ नि॒ सां
+ ३ | १ ३

नि॒ सां मं ग॒ रें सां नि॒ सां | रें सां नि॒ ध प म ग॒ म ‖
+ ७ | १ ३

———

राग भीमपलासी—तीनताल

राग लक्षण

गावत बुध जन सब विधि सुन्दर
रगिनी भीमपलासी को ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आरोहनमें रि-ध सुर वरजित
सम्पूरन प्रतिलोम कहावत ।
मृदु ग-नि मध्यम अंश सुहावत
अपर अन्ह शुभ सूचक को ॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

ग॒ म प नि॒ ध प ग॒ ग॒ रे सा | नि॒ नि॒ सा म ग रे
गा ॰ ॰ ॰ व त बु ध ज न | स व वि धि सु ॰
\+ ७ | १ ३

सा सा नि॒ सा म म म प | ग॒ रे सा ग॒ म प सां
न्ऽ र रा गि नि भी म प | ला सी ॰ को ॰ ॰ ॰
\+ ७ | १ ३

नि॒ ध प ग॒ ग॒ रे सा ||
गा व त बु ध ज न ||
\+ ७

अन्तरा

प प प नि॒ म प ग॒ म | प प नि॒ नि॒ सां सां
आ रो ह ॰ न ॰ में | रि ध सु र व र
\+ ७ | १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां सां	नि्	नि्	सां सां	सां सां	|	प	नि	सां	रें
जि त	स	म्पू	र न	प्र ति	|	लो	·	·	·
	+		७			१			

सां रें	नि् सां	नि् ध प	प प	प म	ग म	म म |
म क	हा ·	व · त	मृ दु	ग नि	म ·	ध्यम |
	३		+		७	

ग् म	नि् प	ग्	रे सा	निं् निं्	सा म	ऽ म
अं ·	श सु	हा	व त	अ प	र अ	· न्ह
१		३		+		७

म प |	ग् म	म म	ग् म	प सां |	नि्	ध प	ग् ग्	रे सा ||
शुभ |	सू ·	च क	को ·	· · |	गा	व त	बु ध	ज न ||
	१		३		+		७	

राग भीमपलासी—चारताल

निरख मदन मूरत श्याम,

सुन्दरके छबि देखे, मोपे वरनी न जाय।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मोर मुकुट कमल नयन, भौहे धनुष केसर तिलक।
अलक भाल कुंडल छवि, गले सोहे मुक्त माल छबि छाय॥

स्थायी

निं	सा	म	ग॒	रे	सा	निं	सा	ग॒	म	प	प	प
नि	र	ख	म	द	न	मू	र	त	श्या	·	म	सु
+		९		११		१		+			५	+

ऽ	प	म	प	ग॒	म	ग॒	म	प	नि॒	सां	ऽ	प	म	प
·	न्द	·	र	के	·	छ	वि	दे	·	खे	·	मो	·	·
	९			११		१		+		५		+		

ग॒	म	म	प	ग॒	ऽ	म	ग॒	रे	सां
पे	·	व	र	नी	·	न	जा	·	य
९		११		१		+		५	

अन्तरा

							सां	सां			
प	ऽ	प	प	ग॒	म	प	नि॒	नि॒	सां	सां	सां
मो	·	र	मु	कु	ट	क	म	ल	न	य	न
१		+		५		+		९		११	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	ऽ	सां	नि्	सां	मं	ग्	रें	सां	नि्	ध	प
भौं	·	हे	ध	नु	ष	कें	स	र	ति	ल	क
१		+		५		+		९		११	

प	प	प	ग्	म	म	प	ग्	म	ग्	रे	सा
अ	ल	क	भा	·	ल	कुं	·	ड	ल	छ	वि
१		+		५		+		९		११	

							सां	सां	सां		
प	प	ऽ	ग्	म	म	प	नि्	नि्	नि	सां	सां
ग	ले	·	सो	·	हे	मु	·	क्त	मा	·	ल
१		+		५		+		९		११	

प	ग्	म	ग्	रे	सा
छ	वि	·	छा	·	ये
१		+		५	

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी—झपताल

राम भज राम भज, राम भज रे मना।
होय जनम सुफल जाय, यम यातना॥
भव ताप विनसाय, सब पाप बिलगाय।
सुख सब मिलहिं आय, सहे क्यों वेदना॥

स्थायी

प म प ग॒ सा ग॒ म ग॒ रे सा ‖ नि़ नि़ पं
रा · म भ ज रा · म भ ज ‖ रा · म
१ ३ + ८ ‖ १ ३

नि़ सा नि़ सा ग॒ रे सा ऽ ‖ प ऽ प नि़ ध प
भ ज रे · · म ना · ‖ हो · य ज न म
+ ८ ‖ १ ३ +

ध प म ग॒ ‖ म म नि़ सा ग॒ रे सा
सु फ ·ल जा ‖ · य य म या · त
८ ‖ १ ३ +

नि़ सा ग॒ म प ग॒ म ‖
ना · · · · · · ‖
८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प	प	ग॒	म	म	प	नि॒	नि॒	सां	सां	| नि॒	नि॒
भ	व	ता	·	प	वि	न	सा	·	य	| स	व
१		३		+		८				१	

सां	ऽ	रें	नि॒	सां	नि॒	ध	प	| प	प	रें	सां	रें	नि॒
पा	·	प	वि	ल	गा	·	य	| सु	ख	स	व	मि	ल
३			+		८			१		३			+

सां	नि॒	ध	प	| नि॒	ध	प	म	प	ग॒	म	म	नि॒	सा	ग॒	म ‖
हिं	आ	·	य	| स	हे	·	क्यों	·	वे	·	द	ना	·	·	· ‖
	८			१		३			+		८				

राग भीमपलासी—ख्याल एकताल

अब तो बड़ी बेर भई टेरत हूँ, तुमको मेरे रब साईंयाँ।
भँवर जाल में आन फँसे भवसागरते पार करो मेरे साईंयाँ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थायी

सा
सा रे नि सा नि सा म | म ऽ ग ऽ ग प ऽ ध म ऽ प
अ व तो · · व ड़ी | वे · · · र · · · · · ·
९ ११ १ + ५ + ·

म ग ऽ म ग | रे सा ऽ नि ऽ सा रे रे सा ऽ
· · · भ ई | · · · टे · · · र त ·
९ ११ १ + ५ +

रे नि ऽ सा नि सा रे | नि ऽ धं ऽ पं ऽ नि नि सा नि
हुँ · · · · तु म | को · · · · · मे रे · ·
९ ११ १ + ५ +

सा म म ऽ ग ऽ ग | प ऽ ध म ऽ प
र व सा · · · ई | · · · · · ·
९ ११ १ +

म ग ऽ ऽ म ग रे सा ||
· · · · या · · · ||
५ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म म प सां ऽ ऽ सां सां | सां ऽ रें नि ऽ ऽ सां रें रें सां
भँ व र जा • • • ल | मे • आ • • • • • न •
९ ११ | १ + ५

ऽ नि नि सां ऽ नि ध प प प | म ग म ग रे सा ऽ
• फ से • • • • • भ व | सा - ग र ते • •
+ ९ ११ | १ + ५

रे नि सा सा म म ऽ ग ऽ म ग ऽ | ग प ऽ
पा • • र क रां • • • मे • • | रे • •
+ ९ ११ | १

ध म ऽ ध प नि ध म प ग म ग रे सा ||
• • • • • • सां • • • ई • या • ||
+ ५ +

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग भीमपलासी—तीनताल

ठाढ़ी प्रेम नदी के तीरा।
सुध बुध भूलि विकल मोहन को,
गुन गन गावत मीरा॥
पुनि पुनि चौंकि चौंकि मग हेरत,
पल न धरत उर धीरा।
सपना बनी मिलन अभिलाषा,
नींद विरह की पीरा॥

पं० बालकृष्ण राव

स्थायी

म सा
ग् म ग् म प ग् म प नि् ध प ग् रे सा | नि् सा सा
ठा · ढ़ी · · प्रे · · · म न दी के · | ती · रा
३ + ० १

म म
ऽ नि् सा ऽ नि् नि् सा सा ग् रे सा | नि् सा ग् म
· · · · सु ध बु ध भू लि वि | क ल मो ·
३ + ० १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म
प प ग् म ग् म प नि् प नि् सां रें नि् सां |
ह न को · गु न ग न · गा · · · व त |
३ + ७

प नि् सां नि् ध प ||
मी · · · रा · ||
१

अन्तरा

प प प प म प ग् म | प ध नि् नि् सां सां सां
पुनि पुनि चौं · कि चौं | · · कि भ ग हे र त
+ ७ १ ३

सां
नि् नि् सां मं ग् रें सां सां | प नि् सां रें नि् ध प
प ल न ध र त उ र | धी · · · रा · ·
+ ७ १ ३

म सां सां
नि् नि् सा म म म ऽ प | ग् म प प नि् नि् सां
स प ना · ब नी · मि | ल न अ भि ला · षा
+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प	नि॒	सां	रें	सां	रें	नि॒	सां	प	नि॒	| म	प	ग॒	म	‖
नीं	·	·	·	द	वि	र	ह	की	·	| पी	·	रा	·	‖
+						७				१				

राग भीमपलासी—तीनताल

सब से ऊँची प्रेम सगाई।
दुर्योधन को मेवा त्यागो, साग विदुर घर पाई ॥
जूठे फल शबरी के खाये, बहु विधि प्रेम लगाई।
प्रेम के वश नृप सेवा कीन्हीं, आप बने हरिनाई ॥
राजसु यज्ञ युधिष्ठिर कीन्हों, तामें जूठ उठाई।
प्रेम के वश अर्जुन रथ हांक्यो, भूल गये ठकुराई ॥
ऐसी प्रीत बढ़ी वृन्दावन, गोपिन नाच नचाई।
सूर क्रूर इस लायक नाहीं, कहँ लगि करौं बड़ाई ॥

स्थायी

ग॒	म	प	सां	नि॒	ध	प	म	प	ग॒	रे	नि॒	सा	| ग॒	रे	सा
स	ब	से	·	ऊँ	·	ची	·	·	प्रे	·	म	स	| गा	·	ई
३				+					७				१		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऽ	ऽ	प	नि	सा	सा	सा	नि	सा	ग	रे	सा	नि
·	·	दु	यों	ध	न	को	मे	·	वा	त्या	गो	सा
३		+		७			१			३		+

ध	प	प	प	प	ध	म	प	ग	म
ग	वि	दु	र	घ	र	पा	·	ई	·
		७				१			

अन्तरा

प	प	म	प	ग	म	प	नि	प	नि	सां	सां	नि	नि
जू	ठे	फ	ल	श	ब	री	के	खा	·	·	ये	ब	हु
+		७				१		३				+	

नि	नि	प	नि	सां	गं	रे	सा	नि	सां	नि	ध	प
वि	धि	प्रे	·	·	·	म	ल	गा	·	ई	·	·
		७						१		३		

प	प	प	म	प	ग	म	ग	म	प	नि	म	प	ग	रे	सा
प्रे	म	के	व	श	नृ	प	से	·	वा	·	·	·	की	·	न्हीं
+			७				१						३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि॒ ध प म प ग॒ म | प सां नि॒ ध प म ||
आ प व ने · ह रि | ना · ई · · · ||
\+ ७ १

राग भीमपलासी—तीनताल (तराणा)

स्थायी

नि॒ सा ग॒ म | प ऽ ऽ नि॒ प ग॒ म ग॒ म प |
त न तुं द्रे | ना · · त न ना · ता रे त |
७ १ ३ + ७

म ग॒ रे सा सा म ग॒ रे सा रे नि॒ सा ||
द रे दा नी त दा रे दा नि त दा नी ||
१ ३ +

अन्तरा

प प प प म प ग॒ म प नि॒ नि॒ नि॒ सां सां
दिर दिर त न दिर दिर त न त द रे त द रे
१ ३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां सां | नि॒ सां म ग॒ रे सां नि॒ सां रे नि॒ सां नि॒
दा नी | त न त दा · रे दा नी नि ता · रे
१ ३ +

ध प प — | प ग॒ म म ग॒ म ग॒ प म ग॒ रे सा ||
दा नी ता | रे दा · नी त द रे त द रे दा नी ||
७ १ ३ +

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री

यह राग रात में दूसरे प्रहर में गाया जाता है। इसमें गंधार और निषाद कोमल लगते हैं। आरोह में रिषभ और पंचम स्वर वर्जित करने का व्यवहार है। अवरोह में भी पंचम का प्रयोग, तान के साथ ही किया जाता है। इसलिये इसकी जाति औडव-संपूर्ण मानी जाती है। इस राग में वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है। आलाप में कभी कभी "मपध, मग्" इस रीतो से पंचम लिया जाता है।

आरोह—नि़् सा ग् म ध नि् सां।

अवरोह—सां नि् ध म, प ध, म ग् रे सा।

पकड़—म ध, नि् ध, म, ग्, रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, निं् धं, सा, धं निं्, धं सा, रे, सा, धं निं् सा म, ग् रें;

म, ग् रे सा ।

(२) धं निं् सा म, ग् रे, म, म ध, म, ग् म, ध म, म प ध, म,

सा म ग्, म ध म, ध् म, ग् रे सा, निं् धं निं् सा ।

(३) निं् सा म, ग्, म ध म, म ध नि् ध म, नि् ध, म, म ग्, ध

म ग्, नि् ध, म ग्, सा म ग्, म ग्, रे सा, निं् धं निं् सा ।

(४) सा निं् धं, मं धं निं् सा, रे सा, धं निं् सा म, म ग्, ग् म

ध, म ध नि् सा॑, ध नि् सा॑ नि् ध, सा॑ नि् ध, म ध नि् ध,

म ग्, नि् सा॑ नि् ध म ग्, म नि्, ध, म ग्, म प ध, म ग्,

म ग् रे सा ।

(५) ग् म ध, नि् ध, म ध नि् ध, सा॑, नि् ध, म ध नि् सा॑, रे॑ सा॑,

रे॑ नि सा॑, नि् ध, ध नि् ध सा॑, नि् ध, म, सा॑ नि् ध, म, ध

नि्, ध म, म प ध, म ग्, म नि् ध सा॑ नि् ध, म ग्, म

ग् रे सा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) ग म ध नि॒ सां, नि॒ ध सां, सां नि॒ रें सां, रें नि॒ सां, नि॒ ध, म ध नि॒ सां ध नि॒ सां, गं॒, रें सां, नि॒ सां रें, सां, नि॒ ध, ध, प ध नि॒, ध म, म प, म प ध, म ग॒, रे सा।

(७) म ग॒, म ध नि॒ सां, सां नि॒ ध नि॒ सां, ध नि॒ रें, सां, ध नि॒ सां गं॒, रें सां, सां मं, गं॒, रें सां, मं गं॒ रें सां, नि॒ सां रें सां, नि॒ सां नि॒ ध, रें सां, नि॒ सां नि॒ ध, सां नि॒ ध, म ग॒, नि॒ ध, म ग॒, ध, म ग॒, म प ध, म ग॒, रे, ग॒, रे सा।

तानें

(१) नि॒ सा ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध ध म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध नि॒ ध म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध नि॒ सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध नि॒ सां रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध नि॒ सां गं॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा, नि॒ सा ग॒ म ध नि॒ सां गं॒ मं गं॒ रें सां नि॒ ध प म ग॒ रे सा।

(२) नि॒ सा म ग॒ म ग॒ रे सा, नि॒ सा म ग॒ म ध म ग॒ रे सा, नि॒ सा म ग॒ म ध नि॒ ध म ग॒ रे सा, नि॒ सा म ग॒ म ध नि॒

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां नि ध प म ग् रे सा, नि़ सा म ग् म ध नि सां रें सां नि ध प म ग् रे सा, नि़ सा म ग् म ध नि सां रें गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा, नि़ सा म ग् म ध नि सां मं गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा।

(३) सां नि ध प म ग् रे सा, सां रें सां नि ध प म ग् रे सा, सां रें गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा, सां गं् मं गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा, मं–गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा, गं्–रें सां नि ध प म ग् रे सा, रें–सां नि ध प म ग् रे सा, सां– नि ध प म ग् रे सा।

(४) नि़ सा म ग् म ध नि ध म ग् म ध नि सां नि ध प म ग् रे सा, ग् म ध म ग् म ध नि सां नि ध म ग् म ध नि सां रें सां नि ध प म ग् रे सा, म ध नि ध म ध नि सां नि ध म ध नि सां रें सां ध नि सां रें गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा, ध नि सां नि ध नि सां रें सां नि ध नि सां मं गं् रें सां नि ध प म ग् रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(५) म म ग् म ग् रे सा, ध ध म ध म ग् रे सा, नि् नि् ध नि् ध
प म ग् रे सा , सां सां नि् सां नि् ध प म ग् रे सा , रें रें
सां रें सां नि् ध प म ग् रे सा , मं मं गं् मं गं् रें सां नि् ध
प म ग् रे सा ।

(६) ग् म म ग् म म ग् म म ग् रे सा , म ध ध म ध ध म ध ध
म ग् रे सा, ध नि् नि् ध नि् नि् ध नि् नि् ध प म ग् रे सा,
नि् सां सां नि् सां सां नि् सां सां नि् ध प म ग् रे सा , सां
रें रें सां रें रें सां रें रें सां नि् ध प म ग् रे सा , गं् मं मं गं्
मं मं गं् मं मं गं् रें सां नि् ध प म ग् रे सा ।

(७) नि् सा ग् म ध नि् सां नि् ध प म ग् रे सा, नि् सा ग् म ध
ग् म ध नि् सां रें सां नि् ध प म ग् रे सा , सां गं् रें सां नि्
ध प म ग् रे सा , नि् सा ग् म ध म ग् म ध नि् सां रें सां
नि् ध नि् सां गं् मं गं् रें सां नि् ध प म ग् रे सा, म म ग् म
ग् रे सा, ध ध म ध ध म ध ध म ग् रे सा , सां सां नि् सां
सां नि् सां सां नि् ध प म ग् रे सा , रें रें सां रें सां नि् ध प
म ग् रे सा , मं मं गं् मं मं गं् मं मं गं् रें सां नि् ध प म ग्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे सा , निं सा ग म ध ग म ध नि सां ध नि सां गं मं गं रें सां नि ध प म ग रे सा ।

राग बागेश्री—तीनताल

स्थायी

म	ग	रे	सा	नि	सा	ध	नि	सा	म	ग	म	ध			
+				७				१		३					

म	ध	नि	सां	ध	नि	सां		रें	सां	नि	ध	म	ग	रे	सा
+				७				१				३			

अन्तरा

ग	म	ध	नि	सां	सां	सां		नि	सां	रें	सां	नि	सां	नि	ध
+				७				१				३			

मं	गं	रें	सां	रें	सां	नि	ध	सां	नि	ध	म	ग	रे	सा	
+				७				१				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री—झपताल

राग लक्षण

धन्य बागेसरी, कहत गुनि वैखरी।
समय मध रात मत, करुण रस निर्झरी॥
मेल मृदु ग नि जनित, तीव्र सुर रिध बसत।
अल्प पंचम लसत, सम्पूरन सुरपुरी॥
अंश मध्यम बसत, स्वर प्रथम संवदत।
नि-सा-म सुर अनुबदत म ध नि ध म ग म युती॥

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

म	ग्	रे	सा	नि्	ध्	नि्	सा	सां	ऽ	|	नि्	सा	म
ध	·	न्य	बा	·	गे	·	स	री	·	|	क	ह	त
१		३			+		८				१		३

ग्	रे	रे	ग्	रे	सा	ऽ	|	सा	सा	ध	ध	ध
गु	नि	वै	·	ख	री	·	|	स	म	य	म	ध
		+ १०		८				१		३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां नि् ऽ ऽ नि् ध ध | म नि् ध सां नि् ध म प
रा · · · त म त | क रु · ण र स नि ·
+ ८ | १ ३ +

म प ध ग् रे सा ||
· · · झ री · ||
८

अन्तरा

म ऽ म नि् ध ऽ नि् सां सां सां सां सां |
मे · ल मृ · · दु ग नि ज नि त |
१ ३ + ८

सां नि् ऽ सां रे रे सां नि् सां नि् ध ध | नि्
ती · · · व्र सु र रि ध व स त | अ
१ ३ + ८ १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां मं ग॒ रें सां नि॒ सां नि॒ ध ध | सां नि॒ ध
· त्प पं · · च म ल स त | सं · पू
३ + ८ | १ २

म
म म मप ऽ मपध ग॒ रे सा ||
र न सु · · र · · पु री · ||
+ ८

नि॒ नि॒
म ऽ म ध नि॒ सां सां सां सां सां |
अं · श म · ध्य म व स त |
१ ३ + ८

नि॒ सां रें रें सां नि॒सां रेंसां नि॒ ध ध |
स्व र प्र थ म सं · · · व द त |
१ ३ + ८

नि॒ सां मं ग॒ रें नि॒सां निसां रेंसां नि॒ ध ध |
नि स म सु र अ · नु · · · व द त |
१ ३ + ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म	ध	नि॒	ध	म	ग॒	म	ग॒	रे	सा
म	ध	नि	ध	म	ग	म	यु	तिं	·
१		३			+		८		

राग बागेश्री—चारताल

धन धन धन मात गंग, चाहत मुनिजन प्रसंग।
प्रगटी रघुनाथ चरन, करन सुख बिहारी॥
दीन्ही विधि बूंद डार, अरि अनंग शीश धार।
आई मृत मध्य लोक, संतन को प्यारी॥

स्थायी

नि॒	ध	म	ग॒	रे	सा	धं	नि॒	सा	सा	ऽ	सा
ध	न	ध	न	ध	न	मा	·	त	गं	·	ग
१		+		५		+		९		११	

निं	सा	ग॒	म	धं	ध	ध	नि॒	ध	म	ऽ	म
चा	·	ह	त	मु	नि	ज	न	प्र	सं	·	ग
१		+		५		+		९		११	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ग् म ध नि् ध नि् सां ऽ सां रें सां नि्
प्र ग टी · र घु ना · थ च र न
१ + ५ + ९ ११

सां नि् ध म ग् रे सा धं निं सा ग् म ध
कृ र न सु ख वि · हा · री · · ·
१ + ५ + ९ ११

अन्तरा

ग् म ध नि् ध नि् सां ऽ सां नि् सां सां
दी · न्ही · वि धि बू · द डा · र
१ + ५ + ९ ११

नि् सां रें सां नि् सां नि् ध म ग् म म
अ रि अ न · ग शी · श धा · र
१ + ५ + ९ ११

सां म ग् रें सां सां रें सां नि् सां नि् ध म
आ · · ई · मृ त म · ध्य लो · क
१ + ५ + ९ ११

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग	म	ग	रे	सा	ऽ	धं	निं	सा	ग	म	ध
स	· न्त	न	को	·	प्या	·	री	·	·	·	·
१	+			५	+		९		११		

राग बागेश्री—मत्तताल

दीजे दरस मोहि चतुर भुजन कर।
शंख चक्र गदा पद्म धार कर॥
पीताम्बर औडुम्बर साजे।
गले मोतियन की माल मनोहर॥

स्थायी

म ध	प	ध	सा	नि	ध	म	ऽ	म	म	प	ध	म म	ग	ग	रे	सा
दी	जे	·	द	र	स	मो	·	हि	च	तु	र	भु	ज	न	क	र
८	+		१		+		३		४		+		६		७	

अन्तरा

म	म	ध	ऽ	नि	सां	सां	ऽ	सां	ऽ	सां	रें नि सां	सां	सां	सां
शं	ख	च	·	क्र	ग	दा	·	प	·	द्म	धा · ·	र	क	र
१	+	३		४		+		६		७		८		+

Dr. Urmila Sharma Collection; Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धनि सां म ग रे सा निसारेग रे सा निरेसा नि ध
पी · ता · म्त्र र औ डु · · · म्त्र र सा· · जे ·
१ + ३ ४ + ६ ७ ८

ध म म
ध ध | प ध सां नि ध म ग ग ग म ग रे सा सा ‖
ग ले | मो ति · य न की मा · ल म नो · ह र ‖
+ १ + ३ ४ + ६ ७

राग बागेश्री—झूमराताल (ख़्याल)

टेर सुनो बृज राज दुलारे ।
दीन मलीन हीन शुभ गुण सों, आय पर्यो हूं द्वार तिहारे ।।
काम क्रोध अती कपट लोभ मद, सोई माने निज प्रीतम प्यारे ।।
भ्रमत रह्यो इन संग विषयन में, तो पद कमलन मैं उर धारे ।।

स्थायी

म
सां नि ध प ध | सां नि ध प ध ग ऽ ऽ रे सा
टे · र · सु | नो · ब्रि · ज रा · · ज दु
१ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे ऽ ऽ सा ऽ धं निं सा सा | म ऽ ऽ म ध ऽ ध
ला · · रे · दी · न म | ली · · न ही · न
\+ ११ १ ४

ध ध ध ध प ध नि ऽ ऽ ध म ग म ध नि |
शुभ गुण सों · · · · · · आ · य प |
\+ ११

सां ऽ ऽ सां नि रें सां नि ध ऽ ध ध प
रचो · · हूँ · · द्वा · र · ति हा ·
१ ४ +

ध नि ध प ध ||
रे · · · · ||
११

अन्तरा

ग म ध नि सां नि ध नि | सां ऽ ऽ नि सां
का · म क्रो · ध · अ | ती · · क प
११ १ ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रें सां निृ नि सां रें सां निृ ध ऽ धृ धृ ध धृ मृ
ट लो · भ · · · म द · सोई मा ने ·
+ ११

गृ मृ ध | धृ धृ ध प ध निृ ऽ ध म ऽ गृ मृ
निज ओ | त म प्या रे · · · · · · · अ म
१ ४ +

नि
धृ निृ सां ऽ सां निृ सांृ रेंृ सांृ | निृ सांृ
त र ओ · · इ न सं ग | वि ष
११ १

नि सां रें सां निृ धृ सांृ म ग रेंृ सांृ निृ सांृ
य · न · में · तो · · प द क म
४

नि सां रें सां निृ धृ धृ धृ धृ पृ धृ निृ ध प धृ ||
ल · न · मैं · उ र धा · रे · · · · ||
+ ११

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बागेश्री—तीनताल

वेला चमेली हार गूंथ लाई,
मन मोहन के कारण सखिया, जाई जुई मन भाई।
कमल केलि कामोदी चंपा, गंध सुहाई।
मोतियन मौलसिरी औ सेवति,
अनुपम मालति अति सरसाई।

स्थायी

सा ऽ नि॒ ध प ध | सा ऽ नि॒ ध प ध ध म ऽ म
वे · ला · · च | मे · · · · · ली · · हा
७ | १ ३ +

प म प ध प | ग॒ ऽ रे ऽ ग॒ सा ऽ नि॒ सा नि॒ सा
र गुं · · थ | ला · · · · इ · म न मो ·
७ | १ ३ + ७

रे सा | नि॒ सा रे सा नि॒ ध ध नि॒ सा म म म म
· · | ह · न · के · का · र न स खि यां
| १ ३ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मं प ध प ग् म | म ध नि् सां नि् सां रें सां नि् ध प मं
जा · · · इ जु | ई · म न भा · · · ई · · ·
७ | १ ३

ग् रे सा नि् सा ||
· · · · · ||
\+

अन्तरा

नि् सां रें सां नि् ध प ध | सां ऽ नि् ध प ध ध
क म ल के · · · · | का · · मो · · दी
७ | १ ३ +

म ग् म ग् रे सा | नि् सा रे सा नि् सा रे सा
· · चं · पा · | ग · न्ध सु हा · · ·
७ | १ ३

नि् धं धं नि् सा म म म म | म प ध प ग् म म नि्
ई · मो ति य न मौ ल स | री · · · औ · से ·
\+ ७ | १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध	नि्	सां	सां	सां	सां	ध नि्	सा ग्	रे	सा	|	नि्	ध
व	ति	अ	नु	प	म	मा	ऽ	ऽ	ल	ति	|	अ	ति
		+				७						१	

प	ध	ध नि्	सां	ध नि्	रें सां	नि् ध	प म	ग् रे	‖
स	र	सा	ऽ	ऽ	ई	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	‖
		३				+			

राग बागेश्री—तीनताल (तराना)

तराना

तनन देरेना तदानि दीम् तदीम् तन देरेना देरेना तदीम् दीम् दीम् ॥ देरेना देरेना दीम् नितान देरेना, तानोम् देरेना तदरे दानि तन तदानि तद्रेदानि धिं धिं तृक धेत् ता धिं दिधिकिट तक थुंक-तात कत्त गिघि तिटगिघि दिं ता तक् कडधान दिग् गदि गन धा, तक् कडधान दिग् गदिगन धा तक् कडधान दिग् गदिगन धा ॥

स्थायी

रें	सां	नि्	ध	प	ध	|	नि्	ऽ	नि्	नि्	ध	सां	नि्	ध	म
त	न	न	ऽ	दे	रे	|	ना	ऽ	त	दा	ऽ	ऽ	नि	दीं	ऽ
	७						१			३					+	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग़् रे म ग़ | रें सा ऽ सा सा सा ध ध ध ध ध
ऽ म् त ऽ | दी ऽ म् त न दे रे ना दे रे ना
७ १ ३ + ७

प ध | नि़ ऽ नि़ ध सां ऽ नि़ ध ||
ऽ त | दी म् दी ऽ ऽ म् दी म् ||
१ ३ +

अन्तरा

म म म म नि़ नि़ नि़ ध | नि़ सां ऽ सां नि़ सां सां
दे रे ना दे रे ना दी म् | नि ता ऽ न दे रे ना
+ ७ १ ३

नि़ सां सां सां म ग़ | रें सां नि़ ध प ध नि़ नि़
ता नोम् दे रे ना ऽ | त द रे दा ऽ नि त न
+ ७ १ ३

ध म ग़ म ग़ रे सा सा | ध ध ध ध ध ध ध ध ध
त दा ऽ नि त द्रे दा नि | धि धिं तृ क धेत् ता धि दि धि
+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध | ध नि
किट तकथुं क तात क त गि घी ति ट गि घी | दिं ता
+ ७ १

ध नि सां सां सां सां सां सां सां सां मं गं रें रें सां
त क्ड धा · न दिग् ग दि ग न धा · त क्डधा
३ + ७

ऽ सां सां सां सां | सां सां गं रें रें सां ऽ सां नि
· न दिग् ग दि | ग न धा तक्ड धा · न दिग्
१ ३

ध नि प ध नि ऽ ||
ग दि ग न धा ·
+

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग मालकंस

यह राग रात के तीसरे प्रहर में गाया जाता है। इस राग में गंधार धैवत और निषाद कोमल लगते हैं। इसमें रिषभ और पंचम स्वर वर्जित है। इस लिये यह राग औडव जाती का माना जाता है। इसमें वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षडज है।

आरोह--निं सा ग् म ध् नि् सां।

अवरोह—सां नि् ध् म ग् सा।

पकड़—ग् म, ध् नि् ध् म, ग् सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, धं़ नि़ सा, नि़ सा, ध़ नि़ सा ग़, सा, सा, ध़ नि़ धं़ मं, धं़ नि़ सा।

(२) नि़ सा, धं़ नि़ धं़ सा, ग़ सा, म, ग़ सा, धं़ नि़ सा म, ग़ म ग़ सा, म ग़, म ग़ सा, धं़ नि़ सा।

(३) सा म, म ग़, म ग़ सा, धं़ नि़ सा म, ग़ म ध़, म, ध़ म नि नि ध़ म, ध़ म ग़, सा ग़ म ध़ म ग़, म ग़. नि़ सा धं़ नि़ सा।

(४) धं़ नि़ सा म, म, म, ग़, म ध़, म ध़ नि, ध़ म, ध़ म ग़, म ध़ नि सां, सां नि ध़ नि सां, सां, ध़ नि ध़ म, नि ध़, म ग़, म ध़, म ग़, ग़ म ग़. सा ग़ म ग़, सा, धं़ नि़ सा।

(५) मग़, म ध़ नि सां, ध़ नि सां, नि सां, नि ध़, म ध़ नि सां, ग़ सां, नि सां, नि ध़, म ध़ नि ध़, म ग़, नि ध़, म ध़ म ग़, ग़, सां नि, ध़. म ध़ सा, नि ध़, म नि, ध़, ध़, म ग़, म ग़, सा, नि़ नि़ धं़ मं धं़ सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(६) नि॒ सा ग॒ म ध॒ नि॒ सां, ध॒ नि॒ ध॒ सां, नि॒ सां, नि॒, ग॒ सां, ध॒ नि सां ग॒, सां नि॒ ध॒ नि सां, ध॒ नि॒ सां, सां नि॒ ध॒, म ध॒ नि॒ सां, ग॒ म ध॒ नि॒ सां, म ग॒, ध॒ म, नि॒ ध॒, सां, ध॒ नि॒ ध॒ म, ग॒ म ग॒ सा।

(७) सां, नि॒ सां, सां नि॒ ध॒, म ध॒ नि सां, ध॒ नि॒ सां, ध॒ नि॒ सां ग॒, सां नि॒ सां ग॒, मं, ग॒ सां, सां मं, ग॒ सां, ध॒ नि॒ सां मं, ग॒, ग॒, मं, ग॒ सां, ग॒ सां, नि॒ सां, ध॒ नि॒ ध॒ सां, म ध॒ नि॒ सां, नि॒ ध॒ म, मं, ग॒ सां, सां, नि॒ ध॒ म ध॒ नि॒ सां, नि॒ ध॒, म ग॒, ग॒ म, ग॒, सा ग॒ म, ग॒ सा, धं॒ नि॒ सा।

ताने

(१) नि॒ सा ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ नि॒ ध॒ म ग॒ सा, नि सा ग॒ म ध॒ नि॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ नि॒ सां ग॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ नि॒ सां ग॒ मं ग॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा।

(२) नि॒ सा ग॒ सा ग॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ सा ग॒ म ध॒ म ग॒ सा,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

निं सा ग् सा ग् म ध् निं ध् म ग् सा, निं सा ग् सा ग् म ध् नि् सां नि् ध् म ग् सा, निं सा ग् सा ग् म ध् नि् सां गं् सां नि् ध् म ग् सा, निं सा ग् सा ग् म ध् नि् सां गं् मं गं् सां नि् ध् म ग् सा।

(३) सां नि् ध् म ग् सा, सां गं् सां नि् ध् म ग् सा, सां गं् मं गं् सां नि् ध् म ग् सा, मं—गं् सां नि् ध् म ग् सा, गं्—सां नि् ध् म ग् सा, सां—नि् ध् म ग् सा ।

(४) निं सा ग् म ग् सा ग् म ध् नि् ध् म ग् म ध् नि् सां नि् ध् म ग् सा, ग् म ध् म ग् म ध् नि् ध् म ग् म ध् नि् सां गं् सां नि् ध् म ग् सा, ध् नि् सां नि् ध् नि् सां गं् सां नि् ध् नि् सां गं् मं गं् सां नि् ध् म ग् सा।

(५) म म ग् म ग् सा, ध् ध् म ध् म ग् सा, नि् नि् ध् नि् ध् म ग् सा, सां सां नि् सां नि् ध् म ग् सा, गं् गं् सां गं् सां नि् ध् म ग् सा, मं मं गं् मं गं् सां नि् ध् म ग् सा।

(६) ग् म म ग् म म ग् म म ग् सा, म ध् ध् म ध् ध् म ध् ध्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म ग॒ सा, ध॒ नि॒ नि॒ ध॒ नि॒ नि॒ ध॒ नि॒ नि॒ ध॒ म ग॒ सा, नि॒ सां
सां नि॒ सां सां नि॒ सां सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, सां गं॒ गं॒ सां
गं॒ सां गं॒ गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, गं॒ मं मं गं॒ मं मं गं॒ मं मं
गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा।

(७) नि॒ सा ग॒ म ध॒ नि॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ सा ग॒ म
ध॒ नि॒ सां गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, सां गं॒ मं गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒
सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ म ग॒ म ध॒ नि॒ सां नि॒ ध॒ नि॒ सां गं॒ मं
गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, म म ग॒ म ग॒ सा, ध॒ ध॒ म ध॒ ध॒
म ध॒ ध॒ म ग॒ सा, सां सां नि॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, गं॒ गं॒ सां
गं॒ गं॒ सां गं॒ गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा, मं मं गं॒ मं गं॒ सां नि॒ ध॒
म ग॒ सा, नि॒ सा ग॒ म ध॒ ग॒ म ध॒ नि॒ सां ध॒ नि॒ सां गं॒ मं
गं॒ सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा।

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग मालकंस—झपताल

स्थायी

सां ऽ सां नि॒ ध॒ म ध॒ नि॒ ध॒ म | ग॒ ग॒ म
१ ३ + ८ १ ३

ध॒ म ग॒ म नि॒ सा सा | नि॒ सा ध॒ नि॒ सा
+ ८ १ ३

म ग॒ म ध॒ म | ग॒ म ध॒ नि॒ सां गं॒
+ ८ १ ३ +

सां नि॒ ध॒ म ||
८

अन्तरा

ग॒ ग॒ म ध॒ म सां ऽ नि॒ सां सां | नि॒ सां
१ ३ + ८ १

ध॒ नि॒ सां मं गं॒ मं गं॒ सां | गं॒ गं॒ नि॒ सां
३ + ८ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि् ध् ध् नि् ध् म | ग् ग् म ग् सा नि् सा
+ ८ १ ३ +

ग् म ध् नि् सां ध् नि् ||
८

राग मालकंस—तीनताल

राग लक्षण

मालकंस को रूप बखानत, सब सुर कोमल मधुर लगावत।
औडव जाति हीन रिप भाखत, सम वादि संवादि संमत।
गान समय उत्तर निस संमत, गमधनिसानिधमगमधमगमगसा

पं खरे शास्त्री

स्थायी

						नि्								ध	
ग्	म	ग्	सा	नि्	सा	ध्	नि्	सा	म	म	म			ग्	म
मा	·	ल	कं	·	स	को	·	रू	·	प	ब			खा	·
+				७				१						३	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म म	ग् ग्	ग् ग्	म	ध् नि्	|	सां	सां		सां	सां
न त	स व	सु र	को	म ल	|	म	धु		र	ल
	+		७			१				

नि्ं ध् नि्	ध् म	||
गा ·	व त	||
३		

अन्तरा

म	ग् ग्	म	ध् नि्	|	सां सां	सां सां	ग् नि् सां
औ	ड व	जा	ति ही	|	· न	रि प	भा · ·
+		७			१		३

सां सां	नि् नि्	नि् सा	सां नि्	|	नि् ध् नि्	ध् म	ग् म
ख त	स म	वा दी	स ·	|	वा ·	दी ·	स ·
	+	७			१		३

म म	नि् सां	म ग्	सां सां	|	ग् सां	नि् ध	नि् ध
म्म त	गा न	स म य	उ	|	त्त र	नि स	स ·
	+	७			१		३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

म म	ग् म	ध् नि्	सां नि्	ध् म	|	ग् म	ध् म
० ०	० ०	० ०	० ०	० ०		० ०	० ०
म्मत	ग म	ध नि	सा नि	ध म	|	ग म	ध म
	+		७			१	

ग् म	ग् सा	||
० ०	० ०	
ग म	ग सा	||
३		

राग मालकंस चारताल (ध्रुपद)

आये रघुवीर धीर लंकधीश अवध मान।
संग सखा अंगद सुग्रीव और हनुमान॥
रहस रहस गावत युवती जग बंधन विधान।
देव कुसुम बरसत घन जाके रहे नभ विमान॥

स्थायी

सा	ऽ	सा	ऽ	ध्	नि्	सा	म	म	ग्	म	म	|	म
आ	·	ये	·	र	घु	वी	·	र	धी	·	र	|	लं
१		+		५		+		९		११			१

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऽ म म ऽ म ध़ म म ग़ ऽ ग़ | ग़ ऽ म
· क धी · श अ व ध मा · न | सं · ग
+ ५ + ९ ११ १ +

ध़ नि़ सां सां ऽ ग़ सां नि़ ध़ | म ध़ नि़ ध़
स खा · अं · ग द सु ग | री · · व
५ + ९ ११ १ +

म ऽ म ग़ ग़ म ग़ सा सा ||
औ · र ह नु · मा · न ||
५ + ९ ११

अन्तरा

ग़ ग़ प ध़ ध़ नि़ सां ऽ सां सां नि़ नि़ |
र ह स र ह स गा · व त यु व
१ + ५ + ९ ११

सां ऽ सां सां सां ऽ नि़ ध़ नि़ ध़ म म |
ती · ज ग वं · ध़ न वि धा · न |
१ + ५ + ९ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	ऽ	मं	गं	सां	सां	नि	सां	गं	सां	नि	ध	
दे	·	व	कु	सु	म	ब	र	स	त	घ	न	
१		+		५		+		९		११		

म	ध	मध	नि	ध	म	ग	ग	म	ग	सा	सा	
जा	·	के	·	·	र	है	न	भ	वि	मा	·	न
१		+			५		+		९		११	

राग मालकंस—सुरफाक ताल

ॐकार हर हर शंकर महादेव ।
सकल-कला पूरन पूरन करत करत आस ॥
सब दुख हरत द्वन्द्व सोहत जटा गंग ।
राजत गले मुण्ड माल संग फणिवर ॥

स्थायी

सा	सां	ऽ	नि	ध	म	ग	ग	नि	सा	सा	नि	ध
ॐ	·	·	का	·	र	ह	र	ह	र	शं	·	क
१		+		५		७		+		१		+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

											नि		
निं	सा	म	ऽ	ग	म	म	|	ग	ग	म	ध	नि	सां
र	म	हा	·	दे	·	व	|	स	क	ल	क	ला	·
	५	७		+				१		+		५	

नि											
सां	ऽ	सां	सां	|	सां	ऽ	नि	ध	ग	ग	म
पू	·	र	न	|	पू	·	र	न	क	र	त
७		+			१		+		५		७

निं	सा	सा	||
आ	·	स	||
	+		

अन्तरा

			नि									
ग	ग	म	ध	नि	सां	सां	नि	सां	सां	|	सां	ऽ
स	व	दु	ख	ह	र	त	द्व	·	न्द्व	|	सो	·
१		+		५		७		+			१	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां	नि॒	ध॒	ध॒	नि॒	ध॒	म	म	सां	नि॒	ऽ	ऽ	सां	ग॒
ह	त	ज	टा	·	गं	·	ग	रा	·	·	·	ज	त
+		५		७		+		१				+	

ग॒	ग॒	म	ग॒	सा	सा	सां	ऽ	नि॒	ध॒	ऽ	म
ग	ले	·	मु	·	एड	मा	·	ल	सं	·	ग
५		७		+		१		+		५	

ग॒	म	ग॒	सा
फ	णी	ब	र
७		+	

राग मालकंस—झपताल

सा सुन्दर बदन के मंदर दीपन।
मनरंजन कहे जात छिपेरे॥
नख शिख सुन्दरता कहे लाजत।
अभ्र ही में मुखचन्द्र चकेरे॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाय

नि

नि सा ग म ध नि सां ध नि सां सां सां नि ध ऽ

सा . . . . सु न्द र ब . .

१ ३ + ८

नि

नि ध ऽ म | नि ऽ ध नि सां ऽ ऽ ध म ग म

द . . न | के . . मं . . . द र द्दी .

१ ३ + ८

नि

ग सा सा | ध नि सां म ग ऽ सां ग म ग म

प . न | म न रं . . . . . ज . .

१ ३ +

ग सा नि सा नि ध म | ध नि ऽ ध नि सां ऽ ऽ

न . क . . हे . | जा . . . त . . .

८ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां				सांग्	सांनि्			सांनि्	धनि्			ध्म	ध्म		
दी				पे	·	·	·	रे	·	·	·	·	·	·	·
				+								८			

ग्म	ग्सा	ग्सा	निंसा	‖
· ·	· ·	· ·	· ·	

अन्तरा

मग्	म	नि् ध्	नि	ध्	नि्सां	ऽ	ऽ	नि्सां	ऽ	सां	सां				
न	ख	शि	·	ख	सु	·	·	·	·	·	·	·	न्द	र	
१		३			+			८							

नि्सां	ऽ	नि्	ग्सां	ऽ	नि् ध्म	नि् ध्	नि्ध्म	ऽ							
ता	·	·	·	क	·	·	हे	·	ला	·	ज	त	·		
१				३				+			८				

सांनि्	ऽ	सां	मंगं	सांगं	सांगंमं	गं	सां								
अ	·	·	भ्र	·	·	ही	·	·	·	·	·	·	मैं	·	
१			३										+		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नि् सां ऽ ध् म | ध् नि् ऽ ध् नि् सां ऽ ऽ सां

मु · · ख · | चं · · · द्र · · · च

८ १ ३

सां ग् सां नि् सां नि् ध् नि् ध् म ध् म ग् म ग् सा

के · · · रे · · · · · · · · · · ·

+ ८

ग् सा नि् सा ||

· · · ·

राग मालकंस—बिलंबीत तीनताल (ख्याल)

कवहो कपी राघो आवेंगे ।

मेरे नैना चकोर पीति बसे, राका राशि मुख देखे न आवेंगे ॥

स्थायी

नि

ग् सा धं् ऽ निं् निं् सा ऽ | म ऽ ऽ ऽ ऽ ग् म ध्

क व हो · · क पी · | · · · · · रा घो ·

+ १३ १ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म़ ध़ नि॒ ध़ ऽ म ऽ ग॒ ऽ | ग॒ म निं सा सा ऽ नि॒ सा ऽ ||
· · · आ · · · · · | वैं · · · गे · · · · ||
+ १३ | १ ५

अन्तरा

अ
ग॒ ऽ म नि॒ ध़ सां ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ नि॒ सां ऽ | सां ऽ ऽ ऽ
मै · रे · · नै · · · · · · · · | ना · · ·
५ + १३ | १

सां सां नि॒
नि॒ नि॒ सा सा सा ऽ ऽ ऽ ऽ ध़ नि॒ ध़ | म ऽ ग॒ ऽ
च को · र पी · · · · ती · व | से · · ·
५ + १३ | १

सां सा ग॒ म म
नि॒ सा म़ ग॒ म सां ऽ नि॒ ध़ नि॒ ध म ग॒ ऽ | निं सा ग॒ ग॒
रा · · · · · का · श · शी मु ख · · | दे · · खे
५ + १३ | १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म नि़ ध नि़ नि़ ध़ म ग़ नि़ ध़ नि़ ध़ म ग़ ऽ | ग़ म नि़
· न · · आ · · · · · · · · · · | वे · ·
५ + १३ १

सा सा ऽ निं़ सा ऽ ||
· गं · · ·
५

राग मालकंस—तीनताल

हम खोज-खोज गये हार हार। गिरिवन निकुंज घर बार बार। कौनसी नगरी वसे हो मेरे मोहन। आऊँ कहाँ मेरे प्रेम निकेतन। हुई देर अब खोल द्वार ॥

पं० रामनरेश त्रिपाठी

स्थायी

म म म ग़ म सा सा निं़ सा धं़ निं़ | सा म म ध़ ग़ म म
ह म खो · · ज खो · ज ग ये | हा · र हा · · र
\+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग् ग् म ध् नि् ध् नि् सां नि् सां सां | ध् नि् ध् ग् म म ||
गि रि व न नि कुं · · ज घ र | वा · र बा - र ||
\+ ७ १ ३

अन्तरा

ग् ग् ग् ग् म म ध् नि् | सां सां सां गं निं सां सां सां
कौ न सी न· ग री व से | हों मे रे मो · · ह न
\+ ७ १ ३

नि् नि् नि् सां सां सां | ध् नि् ध् म ग् म म म
आ ऊँ क हां मे रे | प्रे · म नि के · त न
\+ ७ १ ३

सां मं ऽ गं सां सां सां सां | ध् नि् ध् ग् म म ||
हु ई · दे · र अ ब | खो · लो द्वा · र ||
\+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग मालकंस तीनताल (तराना)

तोम् तनन तन देरेना तक्धारे तारेदानि
तदानी नाद्रे तुंद्रे तदरे दानि ॥
यारे मो यलि यला यला लाले तन देरेना
तन देरेना तदानि धाकिट तक धुमकिट धेत्ता
क्डान् धा क्डान् धा क्डान् धा ॥

स्थायी

सां सां नि॒ ध॒ म ग॒ सा सा सा | सा म ऽ म म म
तोम् त न न त न दे रे ना | त क्था · रे ता रे
+ ७ १ ३

म म ध॒ म ग॒ ग॒ ग॒ म ध॒ नि॒ | सां सां सां ध॒ ऽ नि॒
दानि त दा · नि ना द्रे तुं द्रे | त द रे दा · नि
+ ७ १ ३

अन्तरा

सां सां सां ध॒ नि॒ ध॒ म ऽ म | सां सां सां नि॒ नि॒
या रे मो य लि यला · य | ला ला ले त न
३ + ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां सां ग्‌ सां सां सां सां ध्‌ नि्‌ | ध्‌ म ऽ म
दे रे ना त न दे रे ना · | त दा ·नि
+ ७ १

सा सां सां सां सां म म म म म म म म सां सां सां |
धा क्ति ट त क धु म किट त क धेत्ताक्डान्‌ धाक्डान्‌ |
३ + ७

ऽ सां ध्‌ नि्‌ सां ||
· धाक्डान्‌ · धा ||
१ ३

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पिलू

यह राग दिन के तीसरे प्रहर में गाया जाता है। परन्तु यह राग संकीर्ण जाती का होने से इसका गाने का समय अनिश्चित सा है। प्राय: प्रात: काल को छोड़ कर इस राग को हर समय गायक लोग गाते हैं। इस राग में दो गंधार, दो धैवत और दो निषाद का प्रयोग किया जाता है। कोमल रिषभ का प्रयोग भी कभी कभी सुन्दरता के लिए किया जाता है। इसमें वादी स्वर गंधार और संवादी स्वर निषाद है। इस राग का चलन ज्यादातर मन्द्र और मध्य सप्तक में ही होता है।

आरोह—निं सा ग म प नि सां।

अवरोह—सां नि ध् प, नि् ध प म ग् , रे सा।

पकड़—निं सा ग् , रे सा, पं, धं् , निं सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप

(१) सा, निं सा, निं सा ग्, रे सा, ग् , रे ग् , रे सा, निं, सा निं धं् पं, पं धं् निं सा, ग् , रे सा ।

(२) निं सा ग्, ग् , म ग् रे सा, निं सा रे् , सा निं धं् पं, पं निं, सा ग् , ग् रे म ग् रे सा, ग म प, ग् रे सा ।.

(३) ग्, रे सा, सा ग, ग म, ग् , रे सा, निं सा ग म प, ग् , रे सा ग म ध् प, ग्, रें ग् रे सा, प ग् , रे सा, ग् रे सा, रे् निं सा, धं् निं सा निं धं् , मं पं निं, सा, निं सा ग् , रे सा ।

(४) सा निं, धं् निं सा निं, धं् पं, पं धं् निं, मं पं धं् निं, धं् निं सा, सा रे् सा निं, सा ग् , ग म ग् , प म ग् , निं सा, ग म प ग् , प म प, ग् , ग् रे ग् , रे, निं, सा रे् सा निं धं् पं, पं निं सा ग् , निं सा ।

(५) नि सा ग म प, ग म ध् प, प ध् म प, ग म ग प, ध् म प नि ध् प, प ध नि् ध प, नि् ध प, म प ध, प, ग म, सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म पं, ध्‌ प, ग म ग, सां नि्‌ ध प, ग म ग, सा ग, म प ग्‌ रे सा ।

(६) निं सा ग म प नि, ध्‌ प, ध्‌ प ध्‌ नि, ध्‌ प, नि ध्‌ प, ध्‌ म, प नि सां, रें सां, सां, नि्‌, ध प, ध नि्‌ सां, नि्‌ ध प, ध प, ग म ग, सा ग म प ध्‌ प, सां प, ग्‌, ग्‌, रे म ग्‌ रे सा निं, धं्‌ पं, धं्‌ निं, सा ।

(७) ग म प नि, सां, गं्‌, रें सां, सां गं्‌ रें गं्‌, रें, सां, सां नि, ध्‌ प, प नि सां रें्‌ सां, निं सां नि, ध्‌ प, ग म प ध नि्‌ ध्‌ प, नि्‌ ध ध्‌ प, प नि्‌, प ग्‌, सा ग म प नि्‌, प ग्‌, म ग्‌, रे सा निं, सा रे्‌ सा निं, धं्‌ पं, मं पं निं, सा ग्‌, रे सा ।

तानें

(१) निं सा ग्‌ रे निं सा, निं सा ग म ग्‌ रे निं सा, निं सा ग म प म ग्‌ रे निं सा, निं सा ग म प ध्‌ प म ग्‌ रे सा, न सा ग म प नि ध्‌ प म ग्‌ रे सा, निं सा ग म प नि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सां नि ध् प म ग् रे सा, निं सा ग म प नि सां रें सां नि ध् प म ग् रे सा, निं सा ग म प नि सां रें गं रें सां नि ध् प म ग् रे सा।

(२) सा निं सा, सा निं धं निं सा, सा निं धं पं धं निं सा, सा निं धं पं मं पं धं निं सा, धं निं सा निं धं पं मं पं धं निं सा, सा रे सा निं धं पं मं पं धं निं सा, धं निं सा रे सा निं धं प मं पं धं निं सा, धं पं धं निं सा रे ग् रे सा निं सा रे सा निं धं पं मं पं धं निं सा।

(३) सां नि ध् प म ग् रे सा, सां नि सां रें सां नि ध् प म ग् रे सा, सां रें गं रें सां नि ध् प म ग् रे सा, गं-रें सां नि ध् प म ग् रे सा, रें-सां नि ध् प म ग् रे सा, सां-नि ध् प म ग् रे सा, नि-ध् प म ग् रे सा, ध्-प म ग् रे सा, प-म ग् रे सा।

(४) निं सा ग म सा ग म प म ग् रे सा, निं सा ग म प ग म ध् प म ग् रे सा, निं सा ग म प ग म प ध नि् ध प म ग्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे सा, निं सा ग म प ग म प नि ध़्प म ग़्रे सा, निं सा ग म प ग म प नि सां रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा, निं सा ग म प ग म प नि सां ग़ं रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा।

(५) निं सा ग म प म ग म प ध नि़् ध प म ग म प नि सां नि ध़् प म ग़् रे सा, ग म प ध़् प म ग म प ध नि़् ध प म ग म प नि सां रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा, प नि सां नि ध़् प म प नि सा रें सां नि सां ग़ं रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा।

(६) ग़् ग़् रे ग़् रे सा, म म ग़् म ग़् रे सा, प प म प म ग़् रे सा, ध़् ध़् प ध़् प म ग़् रे सा, नि नि ध़् नि ध़् प म ग़् रे सा, सां सां नि सां नि ध़् प म ग़् रे सा, रें रें सां रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा, ग़ं ग़ं रें ग़ं रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा।

(७) निं सा ग म प नि सां नि ध़् प म ग़् रे सा, सां नि सां रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा, सा निं ध़ं पं मं पं ध़ं निं सा, सां रें ग़ं रें सां नि ध़् प म ग़् रे सा निं सा, निं सा ग म प

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग म प नि सां रें ग्ं रें सां नि ध् प म ग् रे सा, निं सा ग म प म ग म प ध नि् ध प म ग म प नि सां रें ग्ं रें सां नि ध् प म ग् रे सा, ग्ं ग्ं रें ग्ं रें सां नि ध् प म ग् रे सा, मं पं निं सा ग् रे निं सा ग म प म ग म प ध नि ध प म प नि सां रें सां रें ग्ं रें सां नि ध् प म ग् रे सा ।

राग पीलू—तीनताल

स्थायी

पं	निं	निं	सा	ऽ	निं	पं	धं्	निं	सा	ग्	रे	सा	निं		
०	०	०	०	०	०	०	०	—	—	००		०	०		
+				७				१		३					

सा	ग्	रे	ग्	ऽ	रे	सा	रे्	निं	सा	रे्	सा	निं	धं्	पं
०	०	०	०	०	०	०	०	—	०	०	०	०	०	०
+				७				१			३			

अन्तरा

निं	सा	ग	म	प	ध्	प		म	ग	म	प	ग्	रे	निं	सा
०	०	०	०	—	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०
+				७				१				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा ग् रे म ग् रे सा रे | नि सा रे सा निं धं पं ||
\+ ७ १ ३

राग पीलू—तीनताल

राग लक्षण

पीलू राग सकल नित गावत । सब सुर तीवर मृदुल लगावत ॥
चढ़तहि तीवर सुर सब होवत । मृदुल सुरन सोहत जब उतरत ॥
ग-नि वादी सम्वादी सम्मत । रूप मनोहर संकीरन अत ।

पं० खरे शास्त्री

स्थायी

पं धं पं धं सा सा सा | ग् रे सा नि सा रे ग् ग् रे
पी · लू · रा ग स | क ल नि त गा · · व त
\+ ७ १ ३

रे प म प ग् रे सा रे | निं निं सा रे सा निं धं पं ||
स ब सु र ती · व र | मृ दु ल ल गा · व त ||
\+ ७ १ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

											म		सा		
निं	सा	ग	म	प	प	प	ग	म	प	ध	म	प	ग	रे	निं सा
च	ढ़	त	हि	ती	व	र	सु	र	स	·	ब	·	हो	·	ब त
+				७			१						३		
सा	ग	रे	म	ग	रे	सा	रे	निं	निं	सा	रे	सा	निं	धं	पं
मृ	दु	ल	सु	र	न	सो	·	ह	त	ज	व	उ	त	र	त
+				७				१				३			

राग पीलू—वि० तीनताल (पंजाबी)

पार लगा दे नैया कन्हैया ।

तुम ही ठाकुर तुम परमेश्वर, तुम ही राम रमैया ॥

तुम हो जगत उधारन तारन, विनती करूँ परूँ पैया ॥

तुम ही तुम दीसत सब ओरे, तुम बिन कौन रखैया ॥

कृष्ण सनेही बलि बलि जाऊँ, भवसागर को पार करैया ॥

स्थायी

ग	म	नि	प	ग	ऽ	रे	निं	सा	ग	सा	सा	ऽ	सा	सा	रे ग
पा	·	र	ल	गा	·	·	दे	·	नै	·	या	·	क	न्है	· ·
१३									१					५	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऽ रे रे ग म ऽ ग ग म प ऽ ग प म ग रे ग ऽ ||
· · या · · · · · · · · · · · · · · ·
+

अन्तरा

ऽ निं सा ऽ ग म प ऽ प प | ऽ ग म ऽ नि॒ प ग
· तु म · ही · ठा · कु र | · तु म · प र मे
+ १३ | १ ५

रें ग॒ रे सा ऽ प प ऽ प ऽ ग म प ध सां नि॒ ऽ
· · श्व र · तु म · ही · रा · · · · · ·
+ १३

ध प | ग प म ग सा सा निं सा ग म प ध॒ म प
म र | मैं · या · · कृ न्है · · · · · · ·
१ ५

ऽ ऽ ग प म ग रे ग ऽ सा ||
· · या · · · · · · · ·
+

कु० उर्मिला

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग पीलू तीनताल

गुरु विन रहिये कौन वाटी मन पावना रे ॥
हुशियार हो जा दौलत के संग जोरु लड़के भाई ।
विपत्काल जब आन पड़ेगा सतगुरु होत सहाई ॥

स्थायी

प	ध	नि	नि	सा	सा	नि सा	रे ग	रे	सा	ऽ	ग रे				
गु	रु	वि	न	र	हि	ये	·	·	·	·	कौं	·	न	·	
३				+							७				

सा	नि	सा	ऽ	नि	सा	ग	ऽ	सा	नि	सा	ग	म			
वा	·	टी	·	म	न	पा	·	व	ना	·	·	·			
१		३				+			७						

प	ध	म	प	|	ग	रे	ग	रे	सा	रे	ग	रे	सा	नि	सा	प	ऽ	ग
·	·	·	·	|	रे	·	·	·	गु	·	रु	·	वि	न	र	ही	·	ये
					१				३						+				

रे	सा	ऽ	रे	|	सा	नि	सा	‖
·	कौ	·	·	|	वा	·	टी	‖
७					१			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

निं सा ऽ सा ग ग म | प प प प ध् प ग ग ग म
हु शा · र हो जा · | दौ ल त के सं ग जो रू ल ड
\+ ७ १ ३ + ७

प ध् म प | ग् रे ग् रे सा ऽ सा ग ऽ ग ऽ ग ग रे |
के · · · | भा · · · ई · त्रि प · त्का · ल ज ब |
१ ३ + ७

सा रे ग म म म म म रे म म रे म प ध् प म |
आ · · · न प डे गा सत् गु रु हो · · · त स |
१ ३ + ७

ग् रे ग् रे सा निं सा ग् ऽ सा निं सा ग म
हा · · · ई म न पा · व ना · · ·
१ ३ + ७

प ध् म प | ग् रे ग् रे |
· · · · | रे · · · |
१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi